दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 138 | संभल, शुक्रवार 01 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

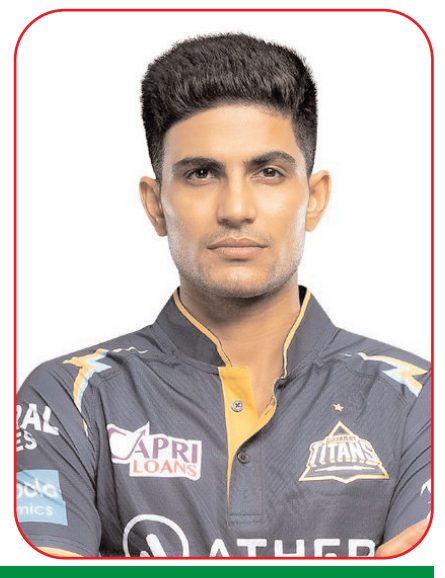

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

सरकार से कहा- तीन बार समय दिया, फिर हलफनामा क्यों नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई। दरअसल, सरकार ने उस याचिका पर अपना हलफनामा अब तक दाखिल नहीं किया, जिसमें देश के निजी की ओर से लगाए जाने वाले हवाई किराये और अन्य शुल्कों में अचानक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए दिशानिर्देश देने की मांग की गई थी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ सुनवाई कर रही थी। पीठ ने केंद्र से कहा कि वह एक आवेदन के साथ हलफनामा दाखिल करे और बताए कि अब तक हलफनामा क्यों नहीं दिया गया और और समय क्यों मांगा जा रहा है।

पिछले साल 17 नवंबर को कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से एक याचिका पर जवाब मांगा था। यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता एस. लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी, जिसमें मांग की गई थी कि एक मजबूत और स्वतंत्र नियामक

संस्था बनाई जाए जो विमानन क्षेत्र में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

आज सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि आपका हलफनामा अगले शुक्रवार (8 मई) तक आ जाना चाहिए।

अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि 17 नवंबर को नोटिस जारी होने के बावजूद अब तक कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया है।

आज भी केंद्र ने और समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर उचित आवेदन और हलफनामा दाखिल किया जाए, जिसमें यह बताया जाए कि देरी क्यों हुई और और समय क्यों चाहिए।

अगली सुनवाई 11 मई को होगी।

याचिका में क्या कहा गया है?

याचिका में कहा गया कि निजी एयरलाइंस ने बिना किसी ठोस कारण के इकोनॉमी क्लास के लिए मुफ्त चेक-इन बैगेज 25 किलो से घटाकर 15 किलो कर दिया है, जिससे पहले की सेवा को अब कमाई का जरिया बना दिया गया है। याचिका में यह भी कहा गया कि केवल एक बैग की अनुमति और बिना किसी छूट के नई नीति यात्रियों के साथ मनमानी है। इसमें यह भी कहा गया है कि अभी हवाई किराये या अतिरिक्त शुल्क को नियंत्रित करने वाली कोई संस्था नहीं है, जिससे एयरलाइंस मनमाने तरीके से शुल्क वसूल रही हैं।

मामले की सुनवाई में क्या हुआ

गुरुवार की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि केंद्र ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। केंद्र के वकील ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति का हवाला दिया। इस पर कोर्ट ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या है जो आपको हलफनामा दाखिल करने से रोक रहा है? केंद्र के वकील ने कहा कि नियम बनाने पर विचार चल रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आप हलफनामा दाखिल करें और सब कुछ रिकॉर्ड में रखें। तीन बार समय दिया जा चुका है, फिर भी हलफनामा क्यों नहीं आया? केंद्र ने तीन हफ्ते का समय मांगा, लेकिन कोर्ट ने यह मांग स्वीकार नहीं की और कहा कि हलफनामा अगले सप्ताह तक देना होगा।

मनमाने हवाई किराये पर कोर्ट ने जताई थी चिंता

इससे पहले 23 फरवरी को केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि विमानन मंत्रालय इस मामले पर विचार कर रहा है। 19 जनवरी की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हवाई किराये में अचानक बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई थी और कहा था कि त्योहारों के समय किराया बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। कोर्ट ने इसे 'शोषण' बताया था और केंद्र व विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से जवाब मांगा था। पिछले साल नवंबर में कोर्ट ने केंद्र, डीजीसीए और हवाईअड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण को नोटिस जारी किया था।

रिकॉर्ड वोटिंग के बाद ममता का पहला बयान, कहा- 226 सीटें जीतेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि मां, माटी और मानुष की सरकार एक बार फिर बनने जा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी 226 सीटों का आंकड़ा पार करेगी। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकताओं से स्ट्रॉग रूम की दिन-रात रखवाली करने के लिए भी कहा है। बता दें कि सीएम ममता ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में मुख्यमंत्री ममता ने जनता को संबोधन करते हुए आभार जताया और चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए घटनाक्रम पर गंभीर आरोप लगाए।

'मतगणना के दिन मेरी प्रेस वार्ता तक काउंटिग टेबल पर रहें कार्यकर्ता'

सीएम ममता ने आगे कहा, मैं जब तक प्रेस कॉन्फ्रेंस न कर लूं, काउटिंग एरिया को छोड़कर कोई न जाए। यह भी ध्यान रखना है कि ईवीएम की काउंटिंग के बाद उसका डाटा कम्प्यूटर में सही लिखा जा रहा है कि नहीं। ऐसा भी हो सकता है कि टीएमसी के नंबर भाजपा में जोड़ दिए जाएं।

'केंद्रीय बल भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं'

उन्होंने कहा, भारत सरकरार की पूरी मशीनरी, प्रधानमंत्री-गृह मंत्री से लेकर 19 भाजपा शासित राज्यों के नेताओं ने बंगाल के लोगों को कब्जाने की कोशिश की। मैं यह बताती हूं कि मतदाता पेटी में वोट जब्त हो गए हैं। मैं बहुत निश्चित होकर बोल रही हूं कि जो टीवी पर दिखा रहा है वो सब पैसों का खेल है। मैं स्पष्ट रूप से बोल रही हूं कि 2026 में हम 226 सीटों का आंकड़ा पार करेंगे।

मतदाताओं का जताया आभार

सीएम ममता ने कहा, बंगाल के मां, माटी, मानुष को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप सभी लोग अच्छे से रहे हैं और स्वस्थ रहें। आप सबके प्रति मैं कृतज्ञ हूं क्योंकि इतनी धूप में और इतने अत्याचार झेलकर आप लोगों ने जिस हिसाब से वोट दिया है, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूं। मैं अपने कर्मियों का भी आभार जनाती हूं जिन्होंने तमाम अत्याचार को बर्दास्त करके, ना सिर्फ सेंट्रल फोर्स बल्कि यहां के फोर्स का भी अत्याचार सहन करके अपने काम किया।

संक्षिप्त समाचार

पार्किंग विवाद को लेकर व्यापारी की हत्या के आरोप में दो और पकड़े

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पार्किंग विवाद को लेकर 34 वर्षीय कपड़ा व्यापारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपी के सौतेले बेटे सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में टोयोटा फॉर्च्यूनर और बीएमडब्ल्यू को आवासीय भवन के बाहर पार्क करने को लेकर हुए तीखे विवाद के बाद रविवार देर रात पंकज नैयर की कथित तौर पर उनके किराएदार ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री से मिले बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की और राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। शपथ ग्रहण के पांच दिनों बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री से यह उनकी पहली मुलाकात थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

विशेष : भारत ने 2030 तक पेट्रोल में 27 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का रखा लक्ष्य

तेल संकट के बीच भारत की स्थिरता और एथेनॉल की ओर बढ़ता नया आर्थिक मॉडल

■ इंदौर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से महंगाई, विकास दर और वित्तीय स्थिरता पर दबाव बढ़ गया है। इसके बावजूद भारत इस संकट के बीच अपेक्षाकृत स्थिर और संतुलित स्थिति में दिखाई दे रहा है। वैश्विक स्तर पर स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार 2026 में वैश्विक आर्थिक विकास दर घटकर लगभग 3.1 प्रतिशत रह सकती है, जबकि लंबे समय तक संकट जारी रहने पर यह 2 से 2.5 प्रतिशत तक गिरने का खतरा है। ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वैश्विक महंगाई भी 4.4 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि हर 10 प्रतिशत तेल मूल्य वृद्धि से महंगाई में लगभग 0.4 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होती है और आर्थिक वृद्धि प्रभावित होती है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता

ऐसे वैश्विक परिदृश्य में भारत की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखाई देती है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है और अपनी 85 प्रतिशत से अधिक जरूरत

आयात करता है, फिर भी अर्थव्यवस्था ने संतुलन बनाए रखा है। आई एम एफ ने भारत की विकास दर का अनुमान लगभग 6.5 प्रतिशत रखा है, जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत ने संकट के दौरान तेजी से अपनी तेल आयात रणनीति बदली है। मार्च 2026 में भारत ने लगभग 4.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा रूस से आया, जबकि मध्य-पूर्व से आयात घटकर करीब 26 प्रतिशत रह गया। यह बदलाव भारत की ऊर्जा कूटनीति और रणनीतिक लचीलापन दर्शाता है। ऊर्जा आपूर्ति के मोर्चे पर भी भारत ने स्थिति को नियंत्रित रखा है। वैश्विक संकट के बावजूद देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है और व्यापक स्तर पर किसी ईंधन संकट की स्थिति नहीं बनी है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

तेल कीमतों में बढ़ोतरी का प्रभाव भारत पर पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहता है तो भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत तक आ सकती है, जबकि 130 डॉलर के स्तर पर यह गिर सकती है। इसके साथ ही महंगाई पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है, जो 4 प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। हालांकि भारत की मजबूत घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र से आने वाली विदेशी मुद्रा और स्थिर बैंकिंग प्रणाली इस झटके को काफी हद तक संतुलित कर रही है। यही कारण है कि जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ रही है, वहीं भारत उच्च विकास दर बनाए रखने में सफल दिख रहा है।

तेल बाजार पर दबाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधित होना है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जहां से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, वहां अवरोध के कारण वैश्विक सप्लाई पर सीधा असर पड़ा है। इस संघर्ष को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने 'इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा संकटों में से एक' बताया है। इसी के चलते तेल कीमतों में 30 से 50 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई है और कई देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा है। इस संकट का सबसे अधिक असर आयात-निर्भर देशों पर देखा जा रहा है। आईएमएफ के अनुसार 12 से अधिक देश ऊर्जा संकट से निपटने के लिए आर्थिक सहायता मांग सकते हैं और वैश्विक स्तर पर 20 से 50 अरब डॉलर तक की जरूरत पड़ सकती है।

भारत ने बनाई दीर्घकालिक रणनीति

संकट के बीच भारत ने दीर्घकालिक रणनीति पर भी काम तेज कर दिया है और अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एथेनॉल सबसे बड़ा विकल्प बनकर उभर रहा है। भारत पहले ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ चुका है और अब इसे बढ़ाकर 27 प्रतिशत तक ले जाने पर विचार किया जा रहा है। एथेनॉल एक जैविक ईंधन है, जिसे गन्ना, मक्का और अधिशेष खाद्यान्नों से तैयार किया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर उपयोग करने से जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटती है और प्रदूषण में कमी आती है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जन में कमी आती है, जो भारत के नेट जीरो 2070 लक्ष्य को हासिल करने में सहायक है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक पेट्रोल में 27 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है।

भारत-भूटान सीमा शुल्क बैठक में व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन पर सहमति

■ मुन्नार

भारत और भूटान के बीच 20-21 अप्रैल को मुन्नार में आयोजित सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक में सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर सहमति जताई गई। बैठक में तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण, सीमा अवसंरचना सुधार और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत माल आवाजाही सुगम बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार और बढ़ाने तथा सुरक्षित सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और भूटान के बीच सातवीं संयुक्त सीमा शुल्क समूह (जेजीसी) बैठक 20-21 अप्रैल को यहां आयोजित हुई बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के विशेष सचिव और सदस्य (सीमा शुल्क) योगेन्द्र गर्ग तथा भूटान के वित्त मंत्रालय के राजस्व एवं सीमा शुल्क विभाग के महानिदेशक सोनम जाम्तशो ने की।

आवाजाही को सुगम बनाने पर विचार

बैठक में समन्वित सीमा प्रबंधन, सीमा शुल्क डेटा के पूर्व-आगमन आदान-प्रदान पर समझौता ज्ञापन, खुफिया जानकारी साझा कर तस्करी रोकथाम, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम के तहत पारगमन माल की आवाजाही को सुगम बनाने जैसे विषयों पर विचार किया गया। सीमा अवसंरचना सुधार और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर भी चर्चा हुई। भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने कोच्चि बंदरगाह का दौरा किया और आयात-निर्यात प्रक्रियाओं, जहाजों की बर्थिंग, कंटेनर संचालन तथा समुद्री प्रवर्तन गतिविधियों जैसे गश्त, संदिग्ध जहाजों की पहचान और संचार प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा शुल्क सहयोग और मजबूत करने, निर्बाध व्यापार को बढ़ावा देने तथा सुरक्षित सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

18 देशों के 43 प्रतिनिधियों ने किया दिल्ली विधानसभा का दौरा

■ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का 18 देशों के 43 प्रतिनिधियों के दल ने मंगलवार को दौरा किया। ये प्रतिनिधि बांग्लादेश, भूटान, ओमान, केन्या, श्रीलंका, फिलीपींस और तंजानिया सहित विभिन्न देशों से आए थे और लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित 37वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधायी मसौदा-निर्माण लोकतांत्रिक शासन का मूल है, किसी कानून की सटीकता ही तय करती है कि वह अधिकारों की रक्षा कितनी प्रभावी ढंग से करता है, जवाबदेही सुनिश्चित करता है और आम नागरिकों के जीवन को कैसे प्रभावित करता है।

महात्मा गांधी सहित कई राष्ट्रीय नेताओं की इस भवन में उपस्थिति का जिक्र करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह संस्था केवल शासन का केंद्र नहीं रही, बल्कि लोकतांत्रिक आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का भी मंच रही है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों ने विधानसभा भवन का भ्रमण किया।

विरासत के रुप में विकसित किया जा रहा है परिसर

विजेंद्र गुप्ता ने बताया विधानसभा परिसर को एक विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एक संग्रहालय बनाया जा रहा है जो विधानसभा की यात्रा को दर्शाएगा। इसके अलावा, इसके इतिहास को जनता तक पहुंचाने के लिए लाइट एंड साउंड शो की भी योजना बनाई जा रही है। उन्होंने विधानसभा के ऐतिहासिक और संस्थागत महत्व का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्तमान भवन, जो 1912 में बना, पहले इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल का मुख्यालय था और बाद में 1919 के भारत सरकार अधिनियम के तहत केंद्रीय विधान सभा के रूप में उपयोग हुआ।

बर्लिन पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ का सैन्य सम्मान के साथ स्वागत

■ सामरिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है यह दौरा

■ बर्लिन

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बर्लिन पहुंचे, वे जर्मनी की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनकी इस यात्रा को सामरिक और द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रक्षा मंत्री म्यूनिख से जर्मन वायुसेना के विशेष विमान के जरिए बर्लिन पहुंचे। उनके विमान को जर्मन लड़ाकू विमानों द्वारा एस्कॉर्ट किया गया, जो इस दौरे के उच्च सामरिक महत्व को रेखांकित करता है। बर्लिन पहुंचने पर राजनाथ सिंह को औपचारिक सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया, जो दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा सहयोग और आपसी विश्वास का प्रतीक है।

दबाव की राजनीति कर रहे केजरीवालः बांसुरी स्वराज

स्वदेश समाचार ■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का

स्वागत करते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का एक आदेश आया। इसमें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल की दबाव की रणनीति को खारिज करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता का एक नया आयाम स्थापित किया है, जिसका अभिनंदन और स्वागत हैं।

18वें सिविल सेवा दिवस के कार्यक्रम को उपराष्ट्रपति ने संबोधित किया

विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहीं महिलाएंः राधाकृष्णन

■ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों जैसी पहलों के समर्थन से महिलाएं विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

श्री राधाकृष्णन ने यहां 18वें सिविल सेवा दिवस के अवसर पर देश भर में कार्यरत सभी प्रशासनिक अधिकारियों और उनके सेवानिवृत्त साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने याद दिलाया कि स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली में प्रशासनिक सेवाओं के प्रशिक्षुओं को संबोधित किया था,

अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत की राह में भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। उन्होंने समावेशी विकास और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता, ईमानदारी और अंतिम छोर तक सेवाएं पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के विजन को दोहराते हुए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों का यह दायित्व है कि कोई भी नागरिक पीछे न छूटे।

जिसमें उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को 'भारत का स्तंभ' बताया था। इस बात को 79 वर्ष हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के विभिन्न बैचों ने इस विरासत को निरंतर कायम रखा है और प्रगति एवं समृद्धि की राह पर राष्ट्र की ठोस संरचना के रूप में कार्य किया है। उन्होंने विभिन्न राज्यों में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारियों को राष्ट्रीय एकता और एकजुटता का सबसे बड़ा दूत बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मार्गदर्शक विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमुख उपलब्धियों के बारे में बताया, जिनमें लगभग 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना, गरीबों के लिए 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण और सीमावर्ती गांवों को जीवंत समुदायों के रूप में विकसित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदियों और नमो ड्रोन दीदियों जैसी पहलों के समर्थन से महिलाएं विकास में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

दूरदर्शी नीतियां अपनाएं

प्रशासनिक सेवाओं में केवल सामान्य ज्ञान रखने वालों पर निर्भर रहने का युग समाप्त हो गया है और उन्होंने अधिक विशेषज्ञता की मांग की। उन्होंने राज्यों से शासन को मजबूत करने के लिए दूरदर्शी भर्ती नीतियों को अपनाने का भी आग्रह किया। उन्होंने सिविल सेवकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और ब्लॉकचेन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संपादकीय

भारत-कोरिया संबंधों में रणनीतिक विस्तार

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्योंग की भारत यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब वैश्विक भू-राजनीति अनिश्चितताओं से घिरी हुई है। 19 से 21 अप्रैल तक चले ली के इस तीन दिवसीय दौरे ने भारत और कोरिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने का अवसर प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता ने स्पष्ट किया कि दोनों देश केवल पारंपरिक सहयोग तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एक सशक्त और दीर्घकालिक साझेदारी का निर्माण करना चाहते हैं। इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक सहयोग को नई गति देना रहा। वर्तमान में 27 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 50 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य दोनों देशों की महत्वाकांक्षा को बताता है। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि विश्वास और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच का संकेत है। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा और शिपबिल्डिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग के समझौते इस साझेदारी को तकनीकी रूप से भी मजबूत बनाएंगे। साथ ही, 2010 के व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को अद्यतन करने की सहमति व्यापारिक बाधाओं को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रक्षा सहयोग और आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने पर जोर यह बताता है कि दोनों देश वैश्विक संकटों के बीच आत्मनिर्भरता और स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। ग्रीन एनर्जी, समुद्री सुरक्षा और वित्तीय सहयोग जैसे क्षेत्रों में पहल, इस संबंध को बहुआयामी बनाती है। विशेष रूप से इंडिया-कोरिया फाइनेंशियल फोरम और भारत में कोरियाई औद्योगिक पार्क की स्थापना जैसे निर्णय निवेश और औद्योगिक विकास को नई गति दे सकते हैं। कुल मिलाकर, यह यात्रा केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और प्रभावी साझेदारी की मजबूत नींव है, जो आर्थिक स्थिरता और रणनीतिक संतुलन की दिशा में निर्णायक साबित हो सकती है।

कूटनीति के नए आयाम गढ़ता भारत

आज के जटिल और बहुध्रुवीय वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति केवल संबंधों के निर्वाह का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह राष्ट्रीय हितों की सशक्त अभिव्यक्ति का उपकरण बन चुकी है। शक्ति-संतुलन, रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक सहभागिता के बीच संतुलन साधना ही आधुनिक कूटनीति की कसौटी है। भारत इस कसौटी पर एक परिपक्व, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। उसकी कूटनीतिक नीति न तो किसी के सामने झुकने की है और न ही किसी को झुकाने की, बल्कि यह संवाद, सहयोग और संतुलन पर आधारित है। जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में टकराव और ध्रुवीकरण की प्रवृत्तियां उभर रही हैं, तब भारत का दृष्टिकोण एक सेतु-निर्माता का है। वह विभिन्न देशों के साथ अपने संबंधों का विस्तार करते हुए वैश्विक मंच पर एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। इसी कड़ी में ऑस्ट्रिया के साथ भारत के संबंधों में हालिया प्रगति एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में सामने आई है।

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा केवल एक औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं थी, यह बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच नई साझेदारियों के निर्माण का संकेत भी है। चार दशक बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आना अपने आप में ऐतिहासिक महत्व रखता है। यह न केवल द्विपक्षीय संबंधों की पुनर्स्थापना है, बल्कि यह भविष्य की संभावनाओं के द्वार भी खोलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस यात्रा को विशेष महत्व देना इस बात का संकेत है कि भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से तब, जब भारत-यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए आयाम उभर रहे हैं, ऑस्ट्रिया के साथ यह साझेदारी और अधिक प्रासंगिक हो जाती है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच लगभग पंद्रह समझौते व पहलें सामने आईं, जो इस संबंध की व्यापकता और गहराई को बताती हैं। रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार, कौशल विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे विविध क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई। आतंकवाद के विरुद्ध संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का

प्रस्ताव एक ठोस कदम है, जो दोनों देशों की साझा चिंता और प्रतिबद्धता को उजागर करता है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए सैन्य मामलों में आशय पत्र पर सहमति दोनों देशों के बीच रणनीतिक विश्वास को और गहरा करती है। इसके अंतर्गत रक्षा उद्योग, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच बढ़ते सुरक्षा सहयोग को भी नई दिशा प्रदान करती है। आर्थिक दृष्टि से फास्ट ट्रैक तंत्र की स्थापना एक दूरदर्शी पहल है, जो निवेशकों और कंपनियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करेगी। इससे न केवल व्यापार सुगम होगा, द्विपक्षीय निवेश को भी गति मिलेगी।

खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्रों में हुए समझौते भी इस साझेदारी को मानवीय और विकासात्मक आयाम प्रदान करते हैं। प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान-साझाकरण और योग्यता की पारस्परिक मान्यता जैसे कदम युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन करेंगे। साथ ही, तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से शिक्षा सहयोग का विस्तार, ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्टार्टअप सहयोग, साइबर सुरक्षा संवाद, अंतरिक्ष क्षेत्र में संयुक्त पहल और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम जैसी घोषणाएं यह स्पष्ट करती हैं कि यह संबंध केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं और नवाचारों पर केंद्रित है।

इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी रहा कि दोनों देशों ने वैश्विक संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और शांति का समर्थन किया। दोनों देशों ने सैन्य समाधान के बजाय कूटनीतिक रास्तों को प्राथमिकता दी। यह दृष्टिकोण भारत की उस नीति को पुष्ट करता है, जिसमें वह विश्व शांति और स्थिरता का समर्थक है। गौरतलब है कि भू-राजनीतिक दृष्टि से ऑस्ट्रिया, जो यूरोप के केंद्र में स्थित है, भारत के लिए एक रणनीतिक सेतु का कार्य करता है। यह सहयोग भारत को यूरोपीय बाजारों, तकनीक और निवेश तक सहज पहुंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका को भी सुदृढ़ करेगा, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा के क्षेत्रों में। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत और ऑस्ट्रिया के बीच यह नवोन्मेषी साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक कूटनीति में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है। यह संबंध एक ऐसे भविष्य की ओर संकेत करता है, जहां सहयोग, संतुलन और साझा प्रगति ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों की आधारशिला होंगे। ■ **जसवंत सिंह राजपूत**

नक्षत्र पाया रजत रहेगा शाम 5:30 बजे मिथुन राशि का नक्षत्र आर्द्रा का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा। **योग**:-अतिगण्ड। **करण**:- कौलव। **नक्षत्र के अनुसार राशि नाम अक्षर**:- घ ङ छ। **आराधना का मंत्र**:- पलाशु पुष्प संकाशम तारकाग्रह मस्तकम। रौद्रम रौद्रात्मक घोरम तम केतुम प्रणमाम्यहम।।

- **मेष राशि**:- समय की अनुकूलता लगातार आपके पक्ष में बनी रहेगी मित्रों परिजनों और रिश्तेदारों का भरपूर साथ मिलता रहेगा।
- **मिथुन राशि**:- चंद्रमा का गोचर आज दिन भर आपके कार्यों को मजबूत बनाता रहेगा जरूरी काम तेजी से करें।
- **कर्क राशि**:- चंद्रमा का बारहवें भाव में भ्रमण परेशान करता रहेगा जरूरी निर्णय टाल दें प्रेम संबंधों से बचें।
- **सिंह राशि**:- सितारे आज दिनभर आपकी भरपूर सहायता करेंगे इसका लाभ उठाकर कार्यों को तेजी से कर लें।
- **कन्या राशि**:- सितारों की चाल बेहद शानदार बनी हुई है आजीविका क्षेत्र मजबूत रहेगा मन प्रसन्न बना रहेगा।
- **तुला राशि**:- ग्रहों का साथ अब आपको मिलने जा रहा है भाग्य में आ रहे अवरोध दूर होंगे आस्था में वृद्धि होगी जरूरी काम कल से करें।
- **वृश्चिक राशि**:- समय अभी ठीक नहीं है किसी से बहस न करें जरूरी काम अभी बिल्कुल न करें ईश्वर में आस्था बनाए रखें।
- **धनु राशि**:- सितारे आज दिनभर मजबूती से आपके पक्ष में खड़े रहेंगे इसका पूरा लाभ उठाएं सामाजिक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।
- **मकर राशि**:- समय बेहद शानदार बना हुआ है इसका पूरा लाभ उठाएं योजना बनाकर काम करें यात्रा करने के योग बने हुए हैं।
- **कुंभ राशि**:- चंद्रमा का गोचर आपकी मदद कर रहा है अधिकारी व अधीनस्थ वर्ग आपकी पूरी सहायता करेगा प्रेम संबंध सामान्य रहेंगे।
- **मीन राशि**:- चंद्रमा अभी आपको तंग करता रहेगा कार्यों में रुचि नहीं रहेगी थोड़ा धैर्य बनाए रखें।
- **वृषभ राशि**:- चंद्रमा दोपहर बाद बेहद मजबूत स्थिति में पहुंच रहा है जरूरी निर्णय दोपहर बाद से लें।

दिल्ली की हवा में घुलता जहर अब केवल पर्यावरण की चिंता नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन का संकट बन चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ता कदम उम्मीद की किरण जरूर है, पर यह बदलाव केवल नीतियों से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से ही संभव होगा। सवाल यह नहीं कि ईवी जरूरी हैं, यह है कि क्या हम इसके लिए सचमुच तैयार हैं।

ईवी नीतिः बदलाव, यथार्थ और भविष्य का संतुलन

दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा आज जिस दौर से गुजर रही है, वह चेतावनी से कम नहीं है। तेज गर्मी, ठिठुराने वाली सर्दी और जहरीली दम घोंटने वाली हवा, ये तीनों एक ऐसे संकट की तस्वीर पेश करते हैं, जिसका बड़ा कारण वाहनों का अनियंत्रित विस्तार और उनसे निकलता धुएं के रूप में कार्बन है। जलवायु परिवर्तन इस समस्या को और स्याह कर मानव जीवन को दुष्कर बना देता है, फिर भी लगातार बढ़ रही महानगरीय सड़कों पर पेट्रोल-डीजल वाहनों की संख्या इसे विकराल रूप दे रही है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली सरकार की इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति 2026 एक निर्णायक हस्तक्षेप के रूप में सामने आती है। 2027 से तिपहिया और 2028 से दोपहिया वाहनों के केवल ईवी पंजीकरण का लक्ष्य न केवल साहसिक है, बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी देता है, भविष्य इलेक्ट्रिक है। टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट जैसे प्रावधान इस बदलाव को गति देने का प्रयास हैं।

इस नीति का आर्थिक पक्ष इसे और प्रभावी बनाता है। हजारों से लेकर लाखों रुपये तक की बचत उपभोक्ताओं के लिए बड़ा आकर्षण है। वहीं, स्क्रैपिंग प्रोत्साहन पुरानी गाड़ियों को हटाने का व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करता है। खासकर व्यावसायिक वर्ग के लिए, जहां लागत ही निर्णायक होती है, ईवी का कम परिचालन खर्च एक मजबूत तर्क बनकर उभरता है। इधर, तस्वीर का दूसरा पहलू कहीं अधिक जटिल है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी आज भी सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। महानगरों के अपार्टमेंट कल्चर में रहने वाले लोग अक्सर चार्जिंग सुविधा के अभाव में ईवी खरीदने का निर्णय टाल देते हैं। नीतियों में चार्जिंग प्वाइंट अनिवार्य करने की बात जरूर है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसकी गति अभी भी धीमी है। सिर्फ सब्सिडी आधारित मॉडल लंबे समय तक टिकाऊ नहीं हो सकता। जब तक बैटरी निर्माण, चार्जिंग नेटवर्क और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता पर ठोस निवेश नहीं होगा, तब तक इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति अधूरी ही रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, नीति में डिमांड-साइड सब्सिडी पर अधिक जोर दिया गया है, जबकि सप्लाई-साइड सुधारों की जरूरत कहीं अधिक है। बैटरी उत्पादन, चार्जिंग स्टेशन नेटवर्क और ग्रिड क्षमता में व्यापक निवेश के बिना ईवी क्रांति अधूरी रह सकती है। परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने विनिर्माण को बढ़ावा दिया है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुविधाओं का विस्तार अभी भी अपर्याप्त है। यह भी जरूरी है कि ईवी अपनी योग्यता के आधार पर बाजार में टिके, न कि केवल सरकारी प्रोत्साहनों के सहारे।

बहरहाल, दिल्ली सरकार द्वारा हाइब्रिड वाहनों को आंशिक राहत देना एक संतुलित सोच का संकेत है। यह मानना होगा कि हर उपभोक्ता तुरंत पूर्ण इलेक्ट्रिक विकल्प नहीं अपना सकता। ऐसे में हाइब्रिड वाहन इस प्रगति के दौर में एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभर सकते हैं, जैसा कि वैश्विक बाजार में भी देखा जा रहा है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि ईवी नीति की सफलता केवल घोषणाओं में नहीं, उसके बेहतर क्रियान्वयन में निहित है। यदि सरकारें इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, नीतिगत स्पष्टता और जन-जागरूकता पर समानता के साथ ध्यान दें, तो यह बदलाव न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी आगे बढ़ाएगा। वरना, यह पहल भी एक अच्छी मंशा तक सिमट कर रह जाएगी। ■ **राममनोहर रायकवार**

विशेष...

विश्व पृथ्वी दिवस
धरती और भविष्य बचाने आत्ममंथन का अवसर

विश्व पृथ्वी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह मानवता के लिए आत्ममंथन का अवसर है। हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पृथ्वी केवल संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वन कटाई और प्लास्टिक कचरे का संकट आज पृथ्वी के अस्तित्व को चुनौती दे रहा है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि हम केवल चिंतन न करें, बल्कि ठोस कदम उठाएं।

प्लास्टिक प्रदूषण: एक गंभीर चुनौती

प्लास्टिक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, पर यह पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा भी है। यह प्लास्टिक नदियों, महासागरों और भूमि को प्रदूषित कर रहा है। यह न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि जीव-जंतुओं और मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। इस समस्या का समाधान प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने और इसके उचित प्रबंधन में निहित है। सरकारों को भी प्लास्टिक पर सख्ती से नियंत्रण करना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण: व्यक्तिगत जिम्मेदारी से शुरुआत

पर्यावरण की रक्षा किसी एक संस्था या सरकार का कार्य नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयास जैसे पानी और बिजली की बचत, वृक्षारोपण और कचरे का सही निपटान बड़े बदलाव ला सकते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो जाए, तो सामूहिक रूप से बड़ा परिवर्तन संभव है। कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण का सिद्धांत अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

स्वच्छ ऊर्जा: भविष्य की दिशा

पारंपरिक ऊर्जा स्रोत जैसे कोयला और पेट्रोलियम पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं। इनके कारण कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। ऐसे में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल विद्युत जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। सरकारों के साथ-साथ आम नागरिक भी सोलर पैनल लगाने, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने और ऊर्जा दक्ष उपकरण अपनाने के माध्यम से इस दिशा में योगदान दे सकते हैं। स्वच्छ ऊर्जा न केवल पर्यावरण की रक्षा करती है, बल्कि यह दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी देती है।

हरित जीवनशैली: टिकाऊ विकास का आधार

पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना होगा। हरित जीवनशैली का अर्थ है प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना। स्थानीय और जैविक उत्पादों का उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देना और भोजन की बर्बादी को रोकना ऐसे कदम हैं जो पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। इसके साथ ही, डिजिटल माध्यमों का अधिक उपयोग कर कागज की खपत को कम करना भी एक प्रभावी उपाय है। जब जीवनशैली में स्थायित्व शामिल होगा, तभी वास्तविक बदलाव संभव होगा।

सामूहिक प्रयास: जागरूकता से क्रांति तक

पर्यावरण संरक्षण में जन-जागरूकता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और प्लास्टिक मुक्त अभियान जैसे प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैलाया जा सकता है। जब समाज के हर वर्ग में जागरूकता बढ़ेगी, तभी एक हरित और सुरक्षित भविष्य का निर्माण संभव होगा।

आज का संकल्प, कल की सुरक्षा

विश्व पृथ्वी दिवस हमें यह सिखाता है कि पृथ्वी की रक्षा केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। यदि हम आज पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर ठोस कदम उठाते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी मिल सकती है। समय की मांग है कि हम अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझें और उसे निभाएं, क्योंकि धरती बचेगी तभी मानवता बचेगी।

घड़ी से आजाद जिंदगी, जहां 'समय' का कोई अस्तित्व नहीं!

क्या आपने कभी ऐसी दुनिया की कल्पना की है, जहां न 'कल' होता है, न 'आज', और न ही 'साल' या 'उम्र' का कोई हिसाब? जहां जिंदगी घड़ी की सुइयों से नहीं, बल्कि प्रकृति की लय से चलती है। सुनने में यह किसी कहानी जैसा लगता है, लेकिन अमेजन के घने जंगलों में रहने वाली अमुंदावा जनजाति के लिए यही हकीकत है।

समय नहीं, सिर्फ वर्तमान का एहसास

अमुंदावा समुदाय की सबसे अनोखी पहचान यह है कि उनकी भाषा में 'समय' से जुड़े शब्द ही नहीं हैं। न सप्ताह, न महीना, न साल, उनके लिए जीवन सिर्फ सूरज के उगने और ढलने के बीच सिमटा है। वे 'समय बीत रहा है' जैसी अवधारणा को समझ ही नहीं पाते। उनका पूरा जीवन वर्तमान में जीने की कला का उदाहरण है, जहां भविष्य की चिंता और अतीत का बोझ लगभग न के बराबर है।

बिना घड़ी के भी सटीक जीवन

अमुंदावा लोगों को कभी घड़ी या कैलेंडर की जरूरत महसूस नहीं हुई। उनके लिए प्रकृति ही सबसे बड़ी मार्गदर्शक है। सूरज की रोशनी, अंधेरा, मौसम और जंगल के संकेत, यही उनकी दिनचर्या तय करते हैं। यही कारण है कि उनके जीवन में भागदौड़, तनाव और 'डेडलाइन' जैसी अवधारणाएं मौजूद नहीं हैं।

सरल जीवन, गहरा संतुलन

खान-पान के मामले में यह समुदाय पूरी तरह जंगल पर निर्भर है। वे तीर-धनुष से शिकार करते हैं, नदियों से मछली पकड़ते हैं और जंगली फल, कंद-मूल तथा शहद इकट्ठा करते हैं। सीमित स्तर पर मक्का और अन्य फसलें भी उगाते हैं। उनका जीवन सादगी से भरा है, लेकिन प्रकृति के साथ गहरे संतुलन में बसा हुआ है।

पहचान का अलग तरीका

इस जनजाति में उम्र गिनने की परंपरा नहीं है। अगर आप किसी अमुंदावा व्यक्ति से उसकी उम्र पूछें, तो उसके पास कोई जवाब नहीं होगा। यहां जीवन को वर्षों में नहीं, बल्कि पहचान और अनुभवों से मापा जाता है। जैसे-जैसे व्यक्ति बड़ा होता है, उसका नाम बदल दिया जाता है। यही नाम परिवर्तन उसकी नई पहचान और जीवन के नए चरण का संकेत बनता है।

आधुनिक दुनिया से टकराव

जैसे-जैसे यह जनजाति बाहरी दुनिया के संपर्क में आ रही है, उसके साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। पहचान पत्र या सरकारी दस्तावेज बनाते समय जन्मतिथि जैसी बुनियादी जानकारी देना इनके लिए कठिन हो जाता है। इसके साथ ही, नई भाषा और तकनीक सीखने का दबाव भी उनकी पारंपरिक जीवनशैली पर असर डाल रहा है।

दुनिया को एक सकारात्मक संदेश

अमुंदावा समुदाय हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या सच में समय का इतना बंधन जरूरी है? जहां पूरी दुनिया सेकंड और मिनट में बंटी है, वहां यह जनजाति बिना घड़ी के भी संतुलित और संतुष्ट जीवन जी रही है। शायद यही उनकी सबसे बड़ी खासियत है वे समय को नहीं, बल्कि जीवन को जीते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

दैनिक बुलन्द मंज़िल

जनपद अमरोहा

संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

लापरवाही बनी जानलेवा : चारा डालने जा रही महिला को कार ने कुचला, मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र के गांव पशुआ नगला में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को दहला दिया। 45 वर्षीय मोहनदेई पत्नी रामसरन की उस समय मौत हो गई, जब वह घर से पशुओं के लिए चारा डालने पशुशाला की ओर जा रही थीं। करीब तीन बजे हुए इस हादसे में एक कार चालक की लापरवाही सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नरेश पुत्र साहबसिंह के घर के बाहर खड़ी इक्को कार को गांव का ही युवक विनोद पुत्र प्रकाश बैक करके निकाल रहा था। इसी दौरान रास्ते से गुजर रही मोहनदेई अचानक कार की चपेट में आ गईं। बताया जा रहा है कि गाड़ी तेज रफ्तार में पीछे ली जा रही थी, जिससे महिला संभल नहीं पाईं और कार की टक्कर से पास की दीवार और वाहन के बीच बुरी तरह फंस गईं। हादसा इतना भयावह था कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर लगने के बाद चालक ने गाड़ी रोकी जरूर, लेकिन गंभीर हालत में दबी महिला को छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही आदमपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। मृतका अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ गई हैं। अचानक हुए इस हादसे से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा एक बार फिर गांवों में लापरवाही से वाहन चलाने की समस्या को उजागर करता है, जहां तंग रास्तों और भीड़भाड़ के बीच जरा सी चूक भी जानलेवा साबित हो रही है। थानाध्यक्ष कोमल तोमर ने बताया की शव के पोस्टमार्टम के परिजन तहरीर देने की बात कर रहे है तथा तहरीर के आधार पर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

रहरा में षड्यंत्र का खुलासा : वसूली के लिए लगाया शोषण का आरोप, महिला गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा। थाना क्षेत्र में दर्ज एससी/एसटी एक्ट के एक मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि कथित तौर पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाकर मोटी रकम हड़पने की साजिश रची गई थी। इसी मामले में वांछित चल रही महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत की गई इस कार्रवाई में थाना रहरा पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए आरोपी महिला को दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक, 19 अप्रैल 2026 को पौरारा निवासी रामदास की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें शुहैल समेत दो लोगों को नामजद किया गया था। शुरूआत में मामला शोषण और गंभीर धाराओं के तहत दर्ज हुआ, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला रूपवती पत्नी स्वर्गीय गंगाप्रसाद पर आरोप है कि उसने षड्यंत्र के तहत शोषण का मामला बनाकर आरोपियों से बड़ी रकम वसूलने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि इस पूरे प्रकरण में पहले भी विवाद गहराया था और इसी मामले से जुड़े घटनाक्रम में थाना अध्यक्ष तक पर कार्रवाई हो चुकी है। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं, जिनके आधार पर पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस तरह के मामलों में सच्चाई तक पहुंचना बेहद जरूरी है ताकि निर्दोष लोगों को फंसाने की कोशिशों पर रोक लग सके। गिरफ्तार महिला को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि कानून का दुरुपयोग किस हद तक किया जा सकता है। वहीं, पुलिस की सख्ती से यह संदेश भी गया है कि झूठे आरोप लगाकर लाभ उठाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी।

सीसीटीवी कैमरें के सामने जनरेटर के अल्टीनेटर चोरी, बाइक सवार चोर फरार

नैशनल हाइवे किनारे 6 घंटे तक चलता रहा चोरी का खेल, पीड़ितों में दहशत और आक्रोश

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब सीसीटीवी कैमरों के सामने ही वारदात को अंजाम देने से भी नहीं डर रहे। ग्राम हरियाना में नेशनल हाईवे से महज 150 मीटर की दूरी पर अज्ञात चोरों ने गुरुवार को बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित अकरम, रिजवान और शाहनवाज के अनुसार, बुधवार की रात करीब 11 बजे से गुरुवार की सुबह 4:50 बजे के बीच चोरों ने योजनाबद्ध तरीके से तीन जनरेटरों के अल्टीनेटर खोलकर चोरी कर लिए। हैरानी की बात यह है कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात करते रहे और बाद में मोटरसाइकिल से फरार हो गए। पीड़ितों ने बताया कि इस चोरी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है, साथ ही मानसिक तनाव भी झेलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नेशनल हाईवे के पास इस तरह की वारदात होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। घटना की जानकारी थाना डिडौली पुलिस को दे दी गई है। पीड़ितों ने पुलिस से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की जल्द पहचान कर गिरफ्तारी की जाए और सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्याय दिलाया

फरारी का खेल खत्म : 19 साल का आरोपी आखिर पुलिस के जाल में

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा एक वांछित आरोपी आखिरकार कानून के शिकंजे में आ ही गया। थाना हसनपुर पुलिस ने सटीक रणनीति और मुखबिर तंत्र की मदद से 19 वर्षीय आरोपी रवि पुत्र महावीर सिंह, निवासी ग्राम बाईखेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज था और वह लगातार गिरफ्तारी से बचने के प्रयास में लगा हुआ था। पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब आरोपी क्षेत्र में ही छिपकर रह रहा था और किसी अन्य स्थान पर भागने की फिराक में था। पुलिस टीम ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी और उसे बिना किसी प्रतिरोध के धर दबोचा। बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 64(1) तथा पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है, जो मामले की गंभीरता को दशार्ता है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर अन्य संभावित तथ्यों की भी जांच कर रही है, ताकि मामले से जुड़े हर पहलू को स्पष्ट किया जा सके। इस गिरफ्तारी को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान को बड़ी सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि आम जनता को सुरक्षित वातावरण मिल सके। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्रवाई पर संतोष जताया है और पुलिस की सक्रियता की सराहना की है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि कानून से बचना आसान नहीं—चाहे अपराधी कितना भी चालाक क्यों न हो, अंततः उसे कानून के सामने झुकना ही पड़ता है।

खेती के बीच भिड़ंत : गाली से शुरू हुआ विवाद, मारपीट में बदला

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला। थाना क्षेत्र के गांव कटाई में बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेत पर चल रहा कृषि कार्य अचानक विवाद में बदल गया और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना में कई लोग चोटिल हुए, जिससे गांव में तनाव का माहौल बन गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी मजर खां अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोगों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि बात इतनी बढ़ गई कि गाली-गलौच के साथ मारपीट शुरू हो गई। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों और अन्य लोगों को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट कर दी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपितों ने जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पहले से भी विवाद चलता आ रहा है, जो आए दिन झगड़े का कारण बनता रहता है। घटना की सूचना मिलने पर पीड़ित पक्ष थाना गजरौला पहुंचा और आरोपितों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की नजर बनी हुई है।

चोरी की बाइक बनी सुराग, पुलिस ने 24 घंटे में खोला राज

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। कोतवाली पुलिस ने फुर्ती दिखाते हुए बाइक चोरी की वारदात का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं। मामला 29 अप्रैल का है, जब सम्भल जनपद के गांव कमालपुर सराय शाहपुर निवासी गोविन्द कुमार ने अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बाइक ग्राम सिरसा गुर्जर क्षेत्र से अज्ञात चोर उठा ले गए। मामला दर्ज होते ही हसनपुर पुलिस सक्रिय हो गई और घटना के खुलासे के लिए टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी कड़ी में पुलिस को अहम सुराग मिला, जिसके आधार पर गजरौला रोड स्थित एक बंद पड़े पेट्रोल पंप के पास दबिश दी गई। यहां से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया, जिनकी पहचान जगत सिंह और राजू के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों ने बाइक चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली, जिसकी पुष्टि वादी द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता के पीछे हसनपुर थाने की टीम की सक्रियता और तकनीकी जांच की अहम भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। उनका कहना है कि ऐसे कदमों से आम जनता में सुरक्षा का भरोसा मजबूत होता है और अपराधियों में डर पैदा होता है।

जोया रोड पर मौत का तांडव : मैजिक में घुसी बाइक, युवक की मौके पर मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। गुरुवार को जोया मार्ग पर हुए इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अहमद नगर निवासी दिलशाद (37) पुत्र रियाज अपने साडू भाई दानिश पुत्र मकसूद निवासी दिल्ली दरवाजा, नखासा (सम्भल) के साथ किसी काम से अमरोहा से जोया जा रहा था। दोनों बाइक पर सवार थे। इसी दौरान जोया से अमरोहा की ओर आ रही एक मैजिक वैन का अचानक स्टेयरिंग फेल हो गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभे से जा टकराया। हादसा इतना भीषण था कि पीछे से आ रही दिलशाद की बाइक सीधे मैजिक वैन में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिलशाद की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायल को जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद मैजिक वैन का चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिलशाद अपने पीछे पत्नी राबिया और तीन मासूम बच्चों को छोड़ गया है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से फरार चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

वारंटी अभियुक्त की गिरफ्तारी : रजबपुर पुलिस की सटीक कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर। जनपद में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रजबपुर पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूती मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और उच्च अधिकारियों के पर्यवेक्षण में थाना रजबपुर पुलिस सक्रिय रूप से वांछित अपराधियों की धरपकड़ में जुटी हुई है। इसी क्रम में पुलिस टीम ने सुनील कुमार पुत्र केहर सिंह, निवासी ग्राम धनौरी माफी, थाना रजबपुर को गिरफ्तार किया। अभियुक्त पर वर्ष 2021 के मुकदमे में विभिन्न धाराओं के तहत आरोप दर्ज थे और वह लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय अमरोहा में पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

काम की जगह बनी जंग का मैदान, मैनेजर पर जानलेवा हमला

दैनिक बुलंद मंज़िल

रजबपुर। थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई जब एक सेवा केन्द्र के मैनेजर पर दिनदहाड़े जानलेवा हमला कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्यामवीर सिंह, जो वर्तमान में सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर के सेवा केन्द्र पर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, पर केन्द्र में ही कार्यरत रसोइया अमरीश सैनी ने अचानक चाकू से हमला कर दिया। घटना 29 अप्रैल की दोपहर करीब 2:30 बजे की बताई जा रही है। आरोप है कि अमरीश सैनी ने जान से मारने की नीयत से श्यामवीर सिंह के चेहरे और सिर पर कई वार किए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल अवस्था में उन्हें उपचार के लिए भेजा गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

दरिंदगी की हद : आधी रात घर में घुसा आरोपी, नाबालिग को उठा ले जाकर किया दुष्कर्म

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक 15 वर्षीय किशोरी के साथ कथित रूप से घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 29 अप्रैल की रात करीब 12 बजे उनकी 15 वर्षीय पुत्री घर में अकेली सो रही थी। इसी दौरान सिद्धार्थ पुत्र जयपाल नाम का युवक कथित रूप से घर में घुस आया और किशोरी को जबरन अपने साथ ले गया। आरोप है कि आरोपी किशोरी को अपने घर ले जाकर एक कमरे में बंद कर उसकी इच्छा के विरुद्ध दुष्कर्म किया। घटना के समय पीड़िता के माता-पिता घर पर मौजूद नहीं थे। पीड़िता के अनुसार, सुबह होने पर आरोपी उसे उसके घर के बाहर छोड़ गया और घटना का खुलासा करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने घर पहुंचकर पूरी घटना अपने माता-पिता को बताई, जिसके बाद परिजन तुरंत थाना डिडौली पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
अमरोहा/बिजनौर/मुरादाबाद

संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

जेई परीक्षा पर सख्त पहरा : 9 केंद्रों पर 4125 अभ्यर्थी, नकल पर रहेगा जीरो टॉलरेंस

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। अवर अभियंता (सिविल) मुख्य परीक्षा को लेकर जनपद प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। 03 मई को आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया की संयुक्त अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि परीक्षा की संवेदनशीलता को समझते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडीएम (न्यायिक) ने सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूरी लगन, सजगता और समयबद्धता के साथ करें। उन्होंने कहा कि परीक्षा को शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर चूक नहीं होनी चाहिए। जनपद में कुल 09 परीक्षा केंद्रों पर 4125 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। इनमें ए.के.के. इंटर कॉलेज, भगवत सरन इंटर कॉलेज जोया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, आईएम इंटर कॉलेज, जेएसएच इंटर कॉलेज, जेएसएच पीजी कॉलेज, कुंदन मॉडल इंटर कॉलेज और सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर शामिल हैं। बैठक में विशेष रूप से महिला अभ्यर्थियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर भी निर्देश दिए गए। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला कर्मियों द्वारा ही सुनिश्चित कराई जाएगी। साथ ही, परीक्षा केंद्र के अंदर मौजूद सभी कार्मिकों को फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीम की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। इसके अलावा, पेयजल, बिजली और प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। यातायात व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित किया गया है, ताकि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पार्किंग की समुचित व्यवस्था के भी निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश पुस्तिका का गहन अध्ययन करने और परीक्षा के दौरान लगातार भ्रमणशील रहने के निर्देश दिए गए हैं। साफ है कि इस बार प्रशासन किसी भी कीमत पर परीक्षा की निष्पक्षता से समझौता नहीं करना चाहता और हर स्तर पर सख्त निगरानी रखी जाएगी।

द हेजलमून स्कूल में गूंजा खुशियों का जश्न नन्हें सितारों का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

प्लेग्रुप-नर्सरी के बच्चों ने काटा केक, डांस और मस्ती से महक उठा विद्यालय परिसर

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। द हेजलमून स्कूल में प्लेग्रुप एवं नर्सरी कक्षा के अप्रैल माह में जन्मे नन्हें-मुन्ने बच्चों का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट, हंसी-खुशी और बच्चों की किलकारियों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में मोहम्मद यजदान, माधव, कनिष्का, मोह. अली, इविका, मोह. अहमद, अदयांश जिंदल, हनिका चौधरी, मनहा परवीन, आरव, अनाया तोमर, रियान शेख तथा माही नूर के जन्मदिन को सामूहिक रूप से सेलिब्रेट किया गया। सभी बच्चों को आकर्षक सैश और रंगीन बर्थडे कैप्स पहनाकर विशेष रूप से सजाया गया, जिससे माहौल और भी खुशनुमा बन गया। नन्हें बच्चों ने मिलकर केक काटा, गीत-संगीत पर डांस किया और पूरे उत्साह के साथ अपने खास दिन का आनंद लिया। बच्चों की मासूम मुस्कान और खुशी ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि का संदेश : इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक श्री अरविंद कुमार (पप्पू चेयरमैन) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी बच्चों को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन का संदेशः विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने बच्चों को स्वस्थ, सुखद और सफल जीवन की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने बच्चों को अच्छे संस्कार अपनाने, अनुशासन में रहने और मन लगाकर पढ़ाई करने का संदेश दिया। शिक्षकों का आशीवार्दः प्री-प्राइमरी कोऑर्डिनेटर श्रीमती नसरीन अंसारी ने भी सभी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्साह के साथ समापन : पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उल्लास और उमंग का माहौल बना रहा। इस प्रकार नन्हें सितारों का जन्मदिन उत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नहटौर में जनगणना प्रशिक्षण संपन्न, 7 मई से घर-घर सर्वे शुरू

एसडीएम स्मृति मिश्रा का औचक निरीक्षण, दिए अहम निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

नहटौर। नगर पालिका परिषद नहटौर में आगामी जनगणना (घर-घर सर्वे) को लेकर प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण दो चरणों में पिछले 6 दिनों से चल रहा था, जिसका समापन बुधवार को किया गया। अधिशासी अधिकारी ओम गिरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 मई 2026 से 21 मई 2026 तक क्षेत्र में घर-घर जाकर जनगणना का वास्तविक कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रगणकों और सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि वे इस अभियान को पूर्ण जिम्मेदारी और सहभागिता के साथ सफल बनाएं। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रगणक घर-घर जाकर ह्यएंप्ल ऐपह्व के माध्यम से डिजिटल रूप से डेटा प्रविष्ट करेंगे। उत्तरदाताओं से प्राप्त सटीक जानकारी को ही ऐप में दर्ज किया जाएगा। साथ ही चिन्हित एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) का सत्यापन संबंधित सुपरवाइजरों द्वारा किया जाएगा। इसी दौरान उपजिलाधिकारी धामपुर स्मृति मिश्रा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित प्रगणकों से प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी ली और जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य की बारीकियों को समझाया। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्र के डेटा प्रबंधन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और गंभीरता के साथ निभाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि घर-घर सर्वे के दौरान केवल सटीक एवं प्रमाणिक जानकारी ही एकत्रित की जाए तथा डिजिटल ऐप में डेटा प्रविष्टि करते समय किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो। साथ ही सुपरवाइजरों को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पालिका के संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिजली लाइन से निकली चिंगारी ने किसान का सहारा जलाया, 70 कुंतल भूसा राख

दैनिक बुलंद मंज़िल
दढियाल। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव करनपुर खादर में गुरुवार सुबह हुई घटना ने किसान परिवार को झकझोर कर रख दिया। गांव निवासी किसान चंद्रपाल पुत्र बलवंत सिंह के खेत में रखा करीब 60 से 70 कुंतल भूसा अचानक आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना लगभग 11 बजे की बताई जा रही है, जब खेत से धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने का कारण खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन से निकली चिंगारी माना जा रहा है। तेज हवा के चलते आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते पूरा भूसा जलकर खत्म हो गया। यह खेत गांव से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित है, जिससे समय रहते आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। किसान चंद्रपाल के लिए यह भूसा पशुओं के चारे का मुख्य साधन था, जिसके जलने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। घटना के बाद किसान परिवार में मायूसी छा गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को मुआवजा दिलाने की मांग की है। वहीं, इस घटना ने एक बार फिर खुले में गुजर रही जर्जर बिजली लाइनों की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बिजली विभाग द्वारा लाइनों की मरम्मत कराई जाती, तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था। फिलहाल प्रशासन से मदद की आस में किसान परिवार अपने नुकसान की भरपाई की उम्मीद लगाए बैठा है।

भीमराव अंबेडकर की रैली में झगड़ा तीन लोगों पर एफआईआर

दैनिक बुलंद मंज़िल
गुन्नौर । थाना क्षेत्र में भीमराव अंबेडकर जयंती की रैली के दौरान एक किशोर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, कस्बा गुन्नौर के मोहल्ला टंकी निवासी प्रेमशंकर ने बताया कि 29 अप्रैल बुधवार को शाम करीब 5 बजे उनका 15 वर्षीय बेटा शिवम अंबेडकर जयंती की रैली में शामिल था। इसी दौरान मोहल्ला अस्पताल क्षेत्र के रहने वाले सलीम, राशिद और रिहान ने उससे पानी मांगने को लेकर विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि तीनों युवकों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए शिवम के साथ मारपीट शुरू कर दी और रैली में शामिल होने से मना किया। विरोध करने पर आरोपियों ने लोहे की चेन से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। एफआईआर में उल्लेख है कि शिवम के सिर में चार जगह चोट आई है, जबकि हाथ-पैरों और शरीर पर भी कई गंभीर घाव हैं। परिजनों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह शिवम की जान बचाई। वहीं, आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल किशोर की हालत गंभीर बताई जा रही है। पीड़ित के पिता ने आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी विवादित और आपराधिक प्रवृत्ति के रहे हैं, जिससे उनके बेटे की जान को खतरा बना हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच सीओ गुन्नौर के निर्देशन में शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकबड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई : अवैध तमंचा व कारतूस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद। जनपद में अपराध और अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पाकबड़ा पुलिस ने दो आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार कर अहम सफलता हासिल की है पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के क्रम में गुरुवार (30 अप्रैल 2026) की रात थाना पाकबड़ा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया। पूछताछ और तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुनाल चाहर पुत्र चमन सिंह निवासी ग्राम पोटा, थाना छजलैट, जनपद मुरादाबाद तथा निखिल चौहान पुत्र वीर सिंह निवासी ग्राम मुन्नवर, थाना अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है इस संबंध में थाना पाकबड़ा पर मु0अ0सं0- 98/2026 के तहत धारा 9(1)क (ं)/25(2) आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है और आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अवैध शस्त्रों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टिकट चेकिंग स्टाफ की ईमानदारी : यात्री का खोया मोबाइल लौटाया

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ की ईमानदारी का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। गाड़ी संख्या 18104 (अमृतसर-टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस) के मुरादाबाद स्टेशन पर पहुंचने के बाद ड्यूटी पर तैनात टिकट चेकर रवि कुमार मीना को कोच ट-1 में एक मोबाइल फोन लावारिस हालत में मिला जांच के दौरान पता चला कि मोबाइल फोन कोच ट-1 की बर्थ संख्या 77 पर यात्रा कर रहे यात्री सुरजीत (जालंधर से शाहगंज) का है। इसके बाद रवि कुमार मीना ने तत्परता और ईमानदारी दिखाते हुए मोबाइल फोन सुरक्षित रूप से यात्री को वापस कर दिया अपना मोबाइल वापस पाकर यात्री सुरजीत ने खुशी जताते हुए टिकट चेकर रवि कुमार मीना और रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया मंडल के अधिकारियों ने भी इस कार्य को सराहनीय बताते हुए स्टाफ की ईमानदारी की प्रशंसा की है।

मुरादाबाद में अपराध समीक्षा बैठक, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय, मुरादाबाद में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उप-महानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र ने की, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद सहित अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया बैठक में अपराध नियंत्रण, क्क्राम व सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, त्यौहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था, ऑपरेशन कन्विक्शन, पोक्सो व महिला अपराध, साइबर अपराध और मिशन शक्ति अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई इसके अलावा निरोधात्मक कार्यवाही, प्रचलित अभियानों की स्थिति, अनावरण को शेष अभियोगों और उच्चाधिकारियों से प्राप्त लंबित प्रकरणों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए बैठक में जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने और जनसुनवाई से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने पर विशेष जोर दिया गया।

तपती गर्मी में स्योहारा यूथ वेलफेयर सोसाइटी ने रेल यात्रियों को पहुंचाई ठंडक भरी राहत

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा। भीषण गर्मी के कहर के बीच स्योहारा यूथ वेलफेयर सोसाइटी ने मानवता की एक बेहतरीन मिसाल पेश करते हुए रेल यात्रियों को ठंडे पानी की बोतलें वितरित कीं। यह सराहनीय पहल स्योहारा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उस समय देखने को मिली, जब लंबी दूरी की जनसेवा एक्सप्रेस दोपहर की तपती धूप में स्टेशन पर पहुंची। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म पर रुकी, संस्था के समर्पित सदस्य तुरंत सक्रिय हो गए और हर डिब्बे में जाकर यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराया। गर्मी से बेहाल यात्रियों के लिए यह सेवा किसी राहत से कम नहीं थी। खास बात यह है कि सहारनपुर से चलने वाली इस ट्रेन का मुरादाबाद के अलावा अन्य स्टेशनों पर ठहराव बहुत कम–लगभग एक मिनट–का होता है, जिससे यात्रियों को पानी लेने या भरने का अवसर नहीं मिल पाता। सोसाइटी के इस नेक अभियान में उबैदुर्रहमान, तनवीर चौधरी, अमीन अहमद, वासित अली, मन्नान जैदी, अयान जावेद, कायम नकवी, नूर अहमद, शादान और कासिफ सहित कई युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार वर्मा और प्रबंधक असजद चौधरी ने सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन करते हुए इस कार्य को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। स्योहारा यूथ सोसाइटी का यह प्रयास न केवल जरूरतमंदों के लिए राहत का जरिया बना, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता का संदेश भी दे गया।

विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने चन्दौसी चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा निर्देश अनुसार महासंघ के जिला अध्यक्ष महेश शर्मा के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण गुरुवार को संभल नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कार्यालय में चंदौसी चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग को लेकर वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे लगाते हुए उनके कार्यालय पहुंचे जहां अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि अमन वर्मा ने मांग

पत्र को लिया, ज्ञापन के माध्यम से अधिशासी अधिकारी को अवगत कराया गया कि पूर्व में 23 मार्च ,शहीद दिवस को भी इसी विषय को लेकर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को इस बाबत प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है । शहर के किसी प्रमुख स्थल को इस नाम से संबोधित किया जाने से समाज में राष्ट्र प्रेम की भावना को बल मिलेगा और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक व प्रेरित किया जा सकेगा । इस मौके पर मुख्य अतिथि विनोद नाथ गौ रक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रेमराज सिंह जिला महामंत्री, प्रकाश चंद शर्मा जिला उपाध्यक्ष, सुधीर कुमार शर्मा जिला उपाध्यक्ष, रजत तिवारी जिला उपाध्यक्ष ,धर्मपाल सिंह जिला मंत्री, जिला धमार्चार्य रमेश आनंद, ब्लॉक अध्यक्ष सुमित ठाकुर ,हरिहर मंदिर पक्षकार राकेश वार्ष्णेय, नितिन गुप्ता ,रवि शंकर, अशोक शर्मा ,रिंकू प्रधान जी, ठाकुर अशोक ,प्रमोद प्रधान, धमार्चार्य जिला महामंत्री माधवानंद महाराज सहित अनेक पदाधिकारी गण एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियो ने अधिशासी अधिकारी को अवैध ई रिक्शाओ पर प्रतिबंध लगाने की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर / आशुतोष भारद्वाज

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू' के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया और अवैध ई रिक्शा को तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की अनुज वार्ष्णेय अन्नू का कहना है कि शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के दौड़ रहे ई-रिक्शा और उनके कारण लगने वाले भीषण जाम से आम जनता और व्यापार बेहद प्रभावित हो रहा है।

बड़ी संख्या में अवैध और बिना रजिस्ट्रेशन वाले ई-रिक्शा सड़कों पर चल रहे हैं। इसके कारण मुख्य मार्गों जैसे आजाद रोड, मालगोदाम मार्ग और फव्वारा चौक बड़ा बाजार पर रोजाना घंटों का भारी जाम लग रहा है।

कई नाबालिग और अप्रशिक्षित चालक लापरवाही से ई-रिक्शा दौड़ा रहे हैं, जिससे आए दिन शहर में छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं।ई रिक्शा का उपयोग भारी समान ढोने के लिए किया जा रहा है जिससे कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। अतः किसी बड़ी घटना का इंतजार ना करते हुए पंजीकृत ई रिक्शा ही नगर में प्रवेश दिया जाये

अधिशासी अधिकारी धर्मपाल ने आश्वासन दिया की तत्काल प्रभाव से अपंजीकरण बाले ई रिक्शा पर कार्यवाही की जाएगी और नगरपालिका में ई रिक्शाओं का पंजीकरण किया जाएगा जिसमे सभी रिक्शा चालकों का आधार कार्ड जरूरी होगा । ज्ञापन में आकाश आहूजा,निशांत शर्मा, रितिक, शुभम अग्रवाल,गोविंद,तुषार कृष्टल आदि मौजूद रहे।

मंदिरों के पुजारी को मिले 40,000 रुपए प्रति माह वेतन एवं भत्ता - श्याम कृष्ण रस्तौगी

दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर / आशुतोष भारद्वाज

चन्दौसी। नगर में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संगठन विस्तार को लेकर घंटाघर मंदिर पर एक बैठक चंदौसी नगर के अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा के की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसको संबोधित करते हुए राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि राष्ट्रीय पुजारी परिषद का गठन कोरोना काल में हुआ था।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद का उद्देश्य पुजारी और पुरोहितओ के हित में काम करना और सरकार से मंदिरों के पुजारी को ?40000 रुपए वेतन प्रति माह मिलने की मांग की एवं मंदिरों का संरक्षण करें सरकार । उन्होंने कहा कि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 20 अप्रैल 2022 को पुजारी एवं पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा को अति शीघ्र

क्रियाशील करवाना ।

देश के सभी बड़े-बड़े मंदिर सरकार के अधीन है उनसे होने वाली आमदनी में से 50 परसेंट छोटे मंदिरों पर खर्च किया जाए जिससे उनकी दशा में सुधार हो और पुजारी का जीवन स्तर खुशहाल हो। राष्ट्रीय पुजारी परिषद द्वारा मंदिरों पर हिंदू संस्कार केंद्र स्थापित करना जिससे आने वाली पीढियां के लिए सनातन धर्म का ज्ञान प्राप्त हो ।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद द्वारा धार्मिक त्योहारों पर भ्रम की स्थिति को दूर कर त्योहारों पर एकजुटता का प्रदर्शन करना ही राष्ट्रीय पुजारी परिषद के मुख्य उद्देश्य हैं । राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने चंदौसी नगर कर संगठन का विस्तार करते हुए उपाध्यक्ष अरविन्द मिश्रा,शिवओम तिवारी महामंत्री विवेक उपाध्याय, मंत्री गौरव शर्मा,कमल शर्मा, प्रचार मंत्री हर्ष उपाध्यक्ष की घोषणा की गई। सभी ने ओम की ध्वनि कर घोषणा का स्वागत किया । संचालन पुजारी पंडित अमरपाल शर्मा ने किया। बैठक में मुरादाबाद से पुजारी महेंद्र,पंडित हिरदेश शर्मा नन्हेंलाल शर्मा, रामसेवक शर्मा पंडित कमल शर्मा पंडित मोहित शर्मा पंडित राजेंद्र प्रकाश शर्मा सुरेश शर्मा दीनदयाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

घर के बाहर चारपाई पर सो रहे पिता पुत्री को कार ने मारी टक्कर दोनों की हुई मौत

मृतक का फाइल फोटो

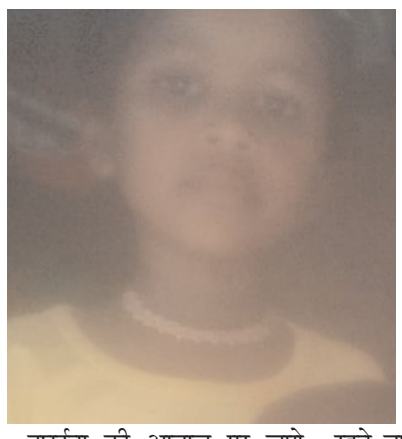

रोते बिलखते परिजन

दैनिक बुलंद मंज़िल / गजराम सिंह यादव

जुनावई। थाना क्षेत्र के मेरठ बदायूं हाईवे किनारे अपने दरवाजे पर सो रहे पिता और पुत्री को कार चालक द्वारा रौंदने से दोनों की घटना स्थल पर मोके पर ही मौत हो गई है। जबकि कार चालक मृतक की चारपाई पर सो रहे पिता पुत्री एवं नजदीक खड़े ई-रिक्शा को खींचते हुए लगभग तीस मीटर दूर तक ले गया।बाद में बिजली पोल को तोड़ कर खड़ा हो गया। दुघर्टना की आवाज पर जागे पड़ोसी ने मौके पर पहुंच कर कार चालक को पकड़ लिया। तभी आस पड़ोस के लोगों ने मृत पड़े पिता और पुत्री को घटना स्थल से अलग किया। तभी गांव के लोगों के द्वारा पुलिस सूचना देकर अवगत कराया गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने कार चालक एवं वाहन को कब्जे में लेकर मृतक के भाई की तहरीर पर शव शील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना क्षेत्र के दुबारी कला गांव के रहने वाले सलीम 30 वर्ष पुत्र वहीद का मकान मेरठ बदायूं हाईवे के किनारे लगभग छह मीटर दूर बना हुआ है।वह रोज की तरह ई-रिक्शा की रखवाली करने के हेतु बीती रात अपनी आठ वर्षीय बेटी अल्शिफा के साथ एक ही चारपाई पर सो रहे थे। तभी रात्रि 12 बजे के बाद टैक्सी कार चालक दिल्ली की तरफ से बदायूं जा रहा था। वहीं तेज रफ्तार आ रहे कार चालक के द्वारा दरवाजे पर सो रहे पिता और पुत्री की चारपाई एवं नजदीक खड़ी ई-रिक्शा को घसीटते हुए तीस मीटर दूर तक ले गया। बाद में कार चालक ने पोल को तोड़ कर रुक गया।

तभी भीषड़ आवाज पर सोते हुए जागे पड़ोसी महेन्द्र सिंह भाग कर घटना स्थल पर पहुंच गए। मौके पर पहुंचे महेंद्र सिंह ने तुरंत ही कार चालक को मौके से भागते हुए कार चालक को पकड़ लिया। तभी चीख-पुकार की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग एकत्र हो गए। तभी ग्रामीणों के द्वारा खून से लथपथ पड़े पिता सलीम एवं पुत्री अल्शिफा को घटना स्थल से अलग किया गया। परन्तु तब तक पिता पुत्री की मौत हो चुकी थी।

तभी ग्रामीणों के द्वारा थाना पुलिस को सूचना देकर अवगत कराया गया ?सूचना पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने कार चालक एवं वाहन को कब्जे में ले लिया गया। और पलटे पड़े ई-रिक्शा को हटाने का प्रयास किया तभी बिजली करंट लगने पर तुरन्त ही बिजली की लाइन को कटवाया गया।

बरेली में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, स्कूल से संप्रेक्षण गृह तक व्यवस्थाओं की परखी जमीनी हकीकत, अफसरों की बढ़ीं धड़कनें

दैनिक बुलंद मंजिल

बरेली। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल गुरुवार को बरेली पहुंचीं तो पूरा सिस्टम हाई अलर्ट पर आ गया। सुबह एयरपोर्ट से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक उनका कार्यक्रम बेहद सघन और सख्त संदेश देने वाला रहा। जहां-जहां राज्यपाल पहुंचीं, वहां व्यवस्थाओं की परत-दर-परत जांच हुई और अफसरों में साफ तौर पर बेचैनी नजर आई। त्रिशूल हवाई अड्डे पर उतरते ही राज्यपाल सीधे दिशा इंटर कॉलेज पहुंचीं। यहां उन्होंने औपचारिकता से दूर हटकर स्कूल की असल तस्वीर देखने की कोशिश की। क्लासरूम, संसाधन और बच्चों की पढ़ाई–हर पहलू को बारीकी

से परखा। खास तौर पर विशेष बच्चों की शिक्षा को लेकर उनका रुख बेहद गंभीर दिखा, जिससे साफ हो गया कि लापरवाही पर कोई नरमी नहीं होगी। दिशा इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने साफ शब्दों में संकेत दिया कि विशेष बच्चों की शिक्षा सिर्फ कागजों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए। मंच से ही उन्होंने समावेशी शिक्षा और संसाधनों की मजबूती पर जोर दिया। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों और शिक्षाविदों के लिए यह साफ संदेश था कि अब सिर्फ दावे नहीं, काम दिखना चाहिए।

संप्रेक्षण गृह में सख्ती, बच्चों की हालत पर ली सीधी रिपोर्ट

इसके बाद किला स्थित राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) पहुंचकर राज्यपाल ने व्यवस्थाओं की हकीकत जानने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बच्चों की सुरक्षा, रहन-सहन और सुविधाओं को लेकर उन्होंने मौके पर ही जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक, छोटी-छोटी खामियों पर भी सवाल उठे, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की सांसें थमी रहीं। दोपहर करीब 1:25 बजे तक राज्यपाल का दौरा पूरी रफ्तार में चलता रहा। इसके बाद वह महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय के लिए रवाना होंगी, जहां बैठक और समीक्षा का दौर चलेगा। माना जा रहा है कि यहां भी शिक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर कड़े सवाल उठ सकते हैं।

शाम को उद्घाटन कार्यक्रम, सियासी हलचल भी तेज

शाम को राज्यपाल रामगंगानगर स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल की नई शाखा का उद्घाटन करेंगी। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता संतोष गंगवार की मौजूदगी से सियासी हलचल भी बढ़ गई है। दौरे के बहाने प्रशासनिक के साथ-साथ राजनीतिक सरगर्मियां भी तेज हो गई हैं। राज्यपाल के दौरे को लेकर पूरा बरेली सुरक्षा घेरे में नजर आया। एयरपोर्ट से लेकर हर कार्यक्रम स्थल तक पुलिस की कड़ी निगरानी रही। रूट डायवर्जन लागू किया गया और अफसरों को साफ चेतावनी दी गई कि सुरक्षा में जरा सी चूक भी भारी पड़ सकती है। पूरे दिन शहर में वीवीआईपी मूवमेंट का असर साफ दिखा।

पींगरी बन गया था बड़े जुआरियों का बडा अड्डा, 20 पकडे

राया जुआरियों पर पुलिस की बड़ी कार्यवाही,

इकलाख कुरैशी / बुलंद मंजिल

राया थाना क्षेत्र के नीमगांव स्थित पींहरी गांव बड़े जुआरियों का बड़ा अड्डा बन गया था, यह अड्डा कितना बड़ा था इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि पुलिस ने 11 मोटरसाइकिल और तीन लग्जरी कार 4 52 ताश के पत्ते की गद्दी मौके से बरामद की हैं। पुलिस ने जुआरियों के ऊपर बड़ी कार्यवाही की है। राया में जुआ के बडे अड्डे पर कार्यवाही करते हुए 20 जुआरियों को मौके से पकड लिया। जुआ के फड़ से पुलिस ने 4 लाख 80 हजार रुपये की नकदी भी बरामद की है। वहीं कई जुआरी मौके से भाग निकले। जानकारी के अनुसार, इस जुआ फड़ पर मथुरा के अलावा अन्य जिलों से भी लोग जुआ खेलने आते थे। राया थाना क्षेत्र के पीहरी गांव में पुलिस ने बड़े जुआ अड्डे का भंडाफोड़ किया है। योजनाबद्ध तरीके से की गई छापेमारी में पुलिस ने मौके से 20 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने अड्डे की चारों ओर से घेराबंदी की, जिससे दूसरी मंजिल से भी कोई आरोपी भाग नहीं सका। हालांकि, मकान मालिक चंद्रपाल पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गया। चंद्रपाल लंबे समय से इस जुआ अड्डे का संचालन कर रहा था। गिरफ्तार किए गए जुआरियों में ओमप्रकाश, गौर, राकेश, श्रीफल, रोविन, जीतू, अमीन, अंग्रेज सिंह, बबलू, गोपाल, संजय, सोमेश, हुब्बलाल, सोनू, सुनील, मुकेश, अकबर, नीरज, उमेश और वैभव शामिल हैं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने जुआ फड़ से करीब 4 लाख 80 हजार रुपये नकद, 11 मोटरसाइकिलें, 3 लग्जरी कारें और 16 मोबाइल फोन 52 ताश के पत्ते की 4गड्डी बरामद किए हैं। पुलिस फरार मकान मालिक चंद्रपाल की तलाश कर रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

वृन्दावन में चला निगम का पीला पंजा,व्यापारियों में हलचल

नाली के ऊपर से निगम ने तोड़ा अतिक्रमण

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

वृंदावन। सीएफसी चौराहा क्षेत्र को जाम और जलभराव की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। टीम ने हल्के विरोध के बीच बुलडोजर से नालियों के ऊपर किए अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कम मच गया।

बताते चलें कि मथुरा दरवाजा क्षेत्र में लंबे समय से जाम और जल भर की प्रमुख समस्या बनी हुई है। नगर निगम कर्मचारियों के अनुसार नाली के ऊपर पक्के

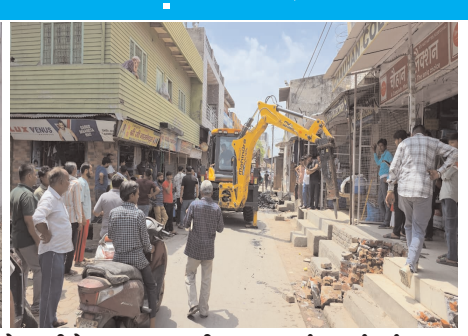

रैंप और सीढ़ियां बना लेने के कारण सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे नालियां चोक रहती हैं।

इसको लेकर नगर निगम की टीम ने बुधवार को अभियान के तहत बुलडोजर की मदद से नाली के ऊपर बने पक्के निर्माण और सीढियों को जमीदोज कर दिया। इस कार्रवाई से स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों में हड़कंप मच गया तथा हल्का विरोध भी किया गया, लेकिन अभियान पूरा होने तक टीम की कार्रवाई जारी रही। साथ ही कर्मचारियों द्वारा नालियों की तलीझाड़ सफाई कराई गई। अब देखना होगा सफाई कार्य के बाद क्षेत्र के लोगों को जलभराव से कितनी राहत मिल पाती है।

व्यापारी नेता धनेंद्र अग्रवाल बॉबी ने कहा कि जलभराव की समस्या नालियों की पूरी तरह से सफाई होने पर ही समाप्त हो सकती है। उन्होंने व्यापारियों से कहा है कि अपनी दुकानों के सामने लोहे की फोल्डिंग वाली रैंप लगवाएं, जिससे उनके ग्राहकों को परेशानी न हो और नालियों की सफाई भी सही ढंग से हो सके।

वहीं नगर निगम के सफाई निरीक्षक सुभाष चंद्र ने बताया कि जब तक अतिक्रमण नहीं हटेगा, नालियों की प्रॉपर सफाई नहीं हो सकेगी और जलभराव की समस्या बनी रहेगी। साथ ही कहा कि यदि दोबारा नाली के ऊपर अतिक्रमण किया गया तो संबंधित के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद/बिजनौर
संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

चांदपुर मेले में मौत का झूला 25 फीट ऊंचाई से गिरकर 17 वर्षीय फैज की दर्दनाक मौत

सेफ्टी रॉड न होने का आरोप, तेज रफ्तार बना हादसे की वजह : मां बोली लापरवाही ने ले ली मेरे बेटे की जान, पुलिस जांच शुरू

दैनिक बुलंद मंजिल
/नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर कोतवाली क्षेत्र के हल्दौर रोड पर आयोजित नुमाइश मेले में बुधवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जिसने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। नाव के आकार के झूले से गिरकर 17 वर्षीय किशोर फैज की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत फैल गई। मृतक फैज, मोहल्ला काजीजादगान निवासी स्वर्गीय अकरम का बेटा था, जो बुधवार रात करीब 8 बजे अपने दोस्तों के साथ मेला देखने गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फैज नाव आकार के झूले में बैठा हुआ था। झूला जैसे ही करीब 25 फीट की ऊंचाई पर पहुंचा, उसी दौरान तेज रफ्तार में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सिर के बल नीचे जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल फैज को तत्काल मेला प्रबंधन द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल पहुंची मां सलमा अपने बेटे का शव देखकर बेसुध हो गईं और रोते-बिलखते हुए झूला संचालक व मेला प्रबंधन पर लापरवाही से हत्या का आरोप लगाती रहीं। मां का आरोप– सेफ्टी रॉड नहीं थी मृतक की मां सलमा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस झूले में फैज बैठा था, उसमें कोई सेफ्टी रॉड नहीं लगी थी। झूला अत्यधिक तेज गति से चलाया जा रहा था, जिसके चलते उनका बेटा असंतुलित होकर नीचे गिर गया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच में जुटीः घटना की सूचना मिलते ही थाना चांदपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला झूले से गिरने के कारण हुई दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। मृतक की मां की तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। फिटनेस और अनुमति पर सवालः प्रशासन के अनुसार, मेले को 30 अप्रैल तक की अनुमति दी गई थी। झूला संचालक द्वारा फिटनेस सर्टिफिकेट होने का दावा किया जा रहा है, जिसकी जांच की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था पर उठे बड़े सवालः इस हादसे ने मेले में झूलों की सुरक्षा, फिटनेस जांच और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। यदि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन होता, तो शायद एक मासूम जान बचाई जा सकती थी। परिवार का सहारा छिनाः फैज परिवार का सबसे बड़ा बेटा था। पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। परिवार में दो बहनें और एक छोटा भाई है। आर्थिक तंगी के कारण फैज पढ़ाई छोड़कर छोटे-मोटे काम कर घर का खर्च चलाता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मांग उठीः स्थानीय लोगों और परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न जा सके।

जिला अस्पताल की उटर डॉ. संगीता गुप्ता सेवानिवृत्त, डॉ. प्रदीप भाषणों ने संभाली कमान

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । जिला अस्पताल में तैनात मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (उटर) डॉ. संगीता गुप्ता गुरुवार को विधिवत सेवानिवृत्त हो गईं। उनके सम्मान में अस्पताल परिसर में भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, स्टाफ नर्सों व अन्य कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया समारोह में मौजूद सभी कर्मचारियों ने डॉ. गुप्ता को फूलमालाएं पहनाकर एवं उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सहकर्मियों ने उनके कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा टीम भावना के साथ कार्य किया और हर चुनौतीपूर्ण समय में स्टाफ के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहीं। उनका सौम्य व्यवहार और सहयोगी रवैया सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन डॉ. शेर सिंह कक्कड़ ने किया। इस मौके पर डॉ. राजेंद्र कुमार, डॉ. एन.के. गुप्ता, संदीप भाड़ोला, नर्सिंग इंचार्ज प्रथमा सिंह, रजनी शर्मा, सुशील सहित कई चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित रहे वहीं, नए उटर के रूप में डॉ. प्रदीप भाषणों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

प्रेमी के साथ प्रेमिका हुई फरार

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी

नगीना। नगर के एक मोहल्ले के निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी को शाम करीब 6:30 बजे प्रयांशु बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया।पीड़ित पिता का कहना है कि घटना के बाद उसने अपनी बेटी की आसपास के इलाकों व रिश्तेदारों के यहां काफी तलाश किया,लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

पत्नी और भाई पर हमले का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। क्षेत्र के ग्राम अब्दुल अजीजपुर उर्फ डेलपुरा निवासी एक युवक ने अपनी पत्नी और छोटे भाई पर हमला करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर बताया कि रात करीब 12:30 बजे वह अपने कमरे में सो रहा था।आरोप है कि उसी दौरान उसके छोटे भाई और उसकी पत्नी ने मिलकर उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर दिया,जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।पीड़ित ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी के उसके भाई के साथ अवैध संबंध हैं,जिसके चलते इस घटना को अंजाम दिया गया।घटना के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला समेत दो घायल

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी

नगीना देहात। क्षेत्र के ग्राम सत्तारवाला और नहर के बीच तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला समेत दो लोग घायल हो गए।दोनों घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ग्राम हैजरपुर निवासी परवीन सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी मंगन देवी गांव के युवक कंचन पुत्र भूदेव सिंह के साथ मोटरसाइकिल से खेत में खाना लेकर जा रही थीं।जब वे ग्राम सत्तारवाला और नहर के बीच पहुंचे,तभी पीछे से आ रही एक अपाची बाइक के चालक ने तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में टक्कर मार दी।हादसे में मंगन देवी और कंचन गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजनों ने दोनों को तुरंत बिजनौर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया,जहां उनका इलाज चल रहा है।

अवैध तमंचा बरामद,एक आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना देहात। पुलिस ने ग्राम साबूवाला में छापेमारी कर एक अवैध 315 बोर देशी तमंचा बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार,पीआरवी सूचना पर पहुंची टीम ने जय सिंह (42) के घर दबिश दी।तलाशी के दौरान चारपाई पर रखे कपड़ों के नीचे छिपाया गया तमंचा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी तमंचे का कोई लाइसेंस नहीं दिखा सका।पुलिस ने आरोपी को शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 के तहत गिरफ्तार कर लिया है,और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

बाजार आए व्यक्ति की बाइक चोरी रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

कोतवाली देहात। अज्ञात चोरों ने एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी कर ली।पीड़ित ने मामले की शिकायत ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है।मोहल्ला रजा कॉलोनी निवासी शमीम अहमद पुत्र नसीर अहमद ने बताया कि वह 8 फरवरी को अपनी बाइक से कोतवाली बाजार किसी काम से गया था।उसने अपनी मोटरसाइकिल लकड़ा रोड पर खड़ी कर दी और सामान लेने चला गया।वापस लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली।काफी तलाश के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका।पीड़ित ने बताया कि वह चंडीगढ़ में मजदूरी करता है और घटना के बाद वापस चला गया था।परिवार के लोगों ने भी बाइक की खोजबीन की,लेकिन सफलता नहीं मिली।पीड़ित ने अब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराते हुए बाइक को बरामद करने की गुहार लगाई है।

युवक पर जानलेवा हमला,पेट में चाकू मारकर किया घायल

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

कोतवाली देहात। क्षेत्र में तड़के एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।हमलावरों ने पहले मोटरसाइकिल से टक्कर मारी, फिर युवक के पेट में चाकू से वार कर दिया।जानकारी के अनुसार ग्राम इन्हीमपुर उर्फ खण्डसाल निवासी पतराम सिंह का पुत्र गौरव रविवार सुबह करीब 4 बजे अपने मामा नन्हे के साथ मोटरसाइकिल से बिजनौर जा रहा था।जब उनकी बाइक बरुकी के पास जंगल क्षेत्र में पहुंची,तभी पीछे से दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार गांव के ही घुन्डे पुत्र सिब्बन सिंह,लोकेन्द्र पुत्र घुन्डे,ऋतिक और विनीत पुत्र लोकेन्द्र ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिर पड़े। आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने गौरव के पेट में चाकू से वार कर दिया और बेल्ट से मारपीट कर मौके से फरार हो गए।हमले में गौरव गंभीर रूप से घायल हो गया।

चांदपुर में आंधी का कहर तेज धूल भरी हवाओं से उड़े होर्डिंग, टूटी टहनियां – गर्मी से मिली राहत

शाम होते ही बदला मौसम का मिजाज, बिजली आपूर्ति बाधित : राहत और नुकसान साथ-साथ

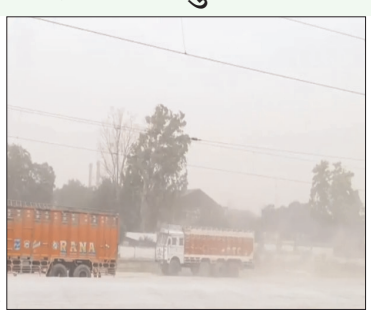

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर में गुरुवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदलते हुए तेज धूल भरी आंधी के साथ दस्तक दी, जिससे शहर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शाम करीब 5:45 बजे शुरू हुई तेज हवाओं ने कुछ ही देर में पूरे शहर को अपनी चपेट में ले लिया। आंधी के प्रभाव से शहर के कई हिस्सों में सड़क किनारे खड़े पेड़ों की टहनियां टूटकर नीचे गिर पड़ीं, जिससे राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में भागते नजर आए।

बिजली आपूर्ति ठप :
तेज आंधी के चलते शहर के कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि कुछ समय बाद आपूर्ति बहाल कर दी गई।

गर्मी से राहत, मौसम सुहाना:
पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को इस अचानक बदले मौसम से बड़ी राहत मिली। आंधी के बाद वातावरण ठंडा और सुहाना हो गया, जिससे लोगों ने चैन की सांस ली।

मौसम का हाल (कृषि अनुसंधान केंद्र, नगीना):
पिछले तीन दिनों के आंकड़ों के अनुसार तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि आर्द्रता का स्तर अधिक बना हुआ है–
28 अप्रैलः अधिकतम 35.0त्ड, न्यूनतम 19.9त्ड, आर्द्रता 90% / 53%
29 अप्रैलः अधिकतम 33.2त्ड, न्यूनतम 20.2त्ड, आर्द्रता 92% / 65%
30 अप्रैलः अधिकतम 34.4त्ड, न्यूनतम 19.2त्ड, आर्द्रता 95% / 68%
आंधी से हुए नुकसान ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। खुले में लगे होर्डिंग और ढीले ढांचे इस तरह की घटनाओं में खतरा बन सकते हैं।

स्थानीय मांग :
नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी आंधियों से निपटने के लिए ठोस योजना बनाई जाए और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए, ताकि जनहानि और नुकसान को रोका जा सके।

नूरपुर में दर्दनाक सड़क हादसा ट्रक की टक्कर से 75 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर घायल

दवाई लेने आए थे गजराम सिंह, शहीद तिराहे पर हुआ हादसा : पुलिसकर्मी ने मौके पर चालक को दबोचा

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। थाना क्षेत्र के गांव धुंधली निवासी 75 वर्षीय गजराम सिंह बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। वह शहीद तिराहे के पास एक निजी चिकित्सक से दवाई लेने आए थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना जबरदस्त था कि गजराम सिंह का एक पैर बुरी तरह जख्मी हो गया और वह सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मी की तत्परता : हादसे के समय तिराहे पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी ट्रक चालक को मौके पर ही पकड़ लिया, जिससे लोगों में आक्रोश शांत हुआ। अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीरः घायल गजराम सिंह को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही उनके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सुरक्षा पर सवाल : यह हादसा एक बार फिर क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय मांग : स्थानीय लोगों ने शहीद तिराहे पर यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सेंट मैरी स्कूल का सीआई,एस,रिजल्ट शत प्रतिशत मिली छात्र छात्राओं को सफलता

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी

नगीना। सेंट मैरी स्कूल,नगीना का इस वर्ष का सीआई,एस,बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहद शानदार रहा।विद्यालय का कक्षा 10वीं और 12वीं का परिणाम शत प्रतिशत रहा,जिससे विद्यालय परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है। कक्षा 10वीं में छात्र पुष्कर अग्रवाल ने 94.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।अनाविया जैदी और शौर्य चौहान ने 92.4 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रवीण कुमार राठौर ने 91.6 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।वहीं जियाफशा अंसारी,दीक्षांत प्रताप और वानिया तहूर ने 91.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।खास बात यह रही कि कुल सात विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए।कक्षा 12वीं का परिणाम भी उत्कृष्ट रहा। विज्ञान वर्ग में चर्चित भारती ने 96.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्तिक मेहता और मंथन बिश्नोई ने 92.25 प्रतिशत अंक के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया,जबकि शगुफ्ता और हर्षवर्धन ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।वाणिज्य वर्ग में सेवान शिवू और सैहर अहमद ने 94.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया।अपूर्वा मितल ने 92.75 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान और ज्योति कर्णवाल ने 91.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।कला वर्ग में हार्दिक सेरावत ने 95.25 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।इशिका जैन ने 91.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि डावियो बैसिट ने 90 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।उल्लेखनीय है कि कक्षा 12वीं में कुल 13 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।विद्यालय प्रबंधन और प्रधानाचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों,उनके अभिभावकों और शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चांदपुर में बाग ठेकेदार की मौत ने लिया नया मोड़ एक माह बाद बाग मालिक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा

आम के पेड़ से लटका मिला था जाबिर का शव : परिजनों ने लगाया मानसिक उत्पीड़न का आरोप, आरोपी ने कहा आरोप निराधार

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर क्षेत्र में बाग ठेकेदार जाबिर की रहस्यमयी मौत के करीब एक महीने बाद मामले में बड़ा खुलासा सामने आया है। मृतक के भाई नासिर की तहरीर पर पुलिस ने बाग मालिक डॉ. मुनीर खालिद के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर लिया है, जिससे पूरे इलाके में हलचल मच गई है। पेड़ से लटका मिला था शव : गौरतलब है कि 22-23 मार्च की रात जाबिर का शव बास्टा रोड स्थित एक आम के बाग में पेड़ से रस्सी के फंदे पर लटका मिला था। इस घटना ने उस समय भी क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और मामले की जांच शुरू कर दी थी। परिजनों ने लगाए गंभीर आरोपः मृतक के भाई नासिर का आरोप है कि बाग मालिक के व्यवहार से जाबिर लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान था। बताया गया कि बारिश के कारण फसल खराब होने के चलते जाबिर बाग छोड़ना चाहता था, लेकिन इस दौरान उसे मानसिक दबाव और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। इसी से आहत होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। मुकदमा दर्ज, जांच तेजः पुलिस ने अब तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 233, धारा 108 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया है। घटना के समय मौके से मृतक का मोबाइल फोन, 9400 रुपये नकद और बाइक की चाबी बरामद हुई थी, जिनकी जांच की जा रही है। आरोपी का पक्षःदूसरी ओर, आरोपित डॉ. मुनीर खालिद ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि जाबिर से उनके संबंध अच्छे थे और किसी प्रकार का विवाद नहीं हुआ था। पुलिस की नजर हर पहलू पर : पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्यों के साथ-साथ सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जाएगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके। उठे कई सवालः इस घटना ने बाग ठेकेदारों और मालिकों के बीच संबंधों, आर्थिक दबाव और मानसिक उत्पीड़न जैसे गंभीर मुद्दों को एक बार फिर उजागर कर दिया है। न्याय की मांग : मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शादी के भात के पैसे चोरी,सीसीटीवी में दिखे गांव के दो युवक

दैनिक बुलंद मंजिल / यासिर शम्सी

कोतवाली देहात। ग्राम दौलताबाद में शादी के दौरान भात की रस्म में मिले रुपये चोरी होने के चलते पीड़ित ने गांव के ही दो युवकों पर शक जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। जितेन्द्र पुत्र स्वर्गीय प्रभू सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी की शादी 21 अप्रैल को हुई थी।शादी के दौरान भात की रस्म में मिले रुपये उसने एक नीले रंग के थैले में रखकर घर के बक्से में सुरक्षित रख दिए थे।पीड़ित के अनुसार,बीते दो दिन पूर्व सुबह जब उसने बक्सा चेक किया तो उसमें रखे रुपये गायब थे।इसके बाद उसने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली,जिसमें गांव के ही रहने वाले दो युवक रात के समय उसके घर के आसपास आते जाते दिखाई दिए।पीड़ित ने दोनों युवकों पर चोरी का शक जताते हुए कार्रवाई की मांग की।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मथुरा/हाथरस
संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

वृंदावन में धूमधाम से मनी नृसिंह जयंती

अनेक स्थानों प्राकट्य लीला मंचन दर्शन देख भावविभोर हुए भक्त

जहीर आलम / बुलंद मंजिल

वृंदावन। तीर्थ नगरी वृंदावन में भगवान नृसिंह की जयंती धूमधाम से मनाई गई। नृसिंह मंदिर में दोपहर को अभिषेक और शाम को जगह-जगह प्राकट्य लीला मंचन का आयोजन किया। इस दौरान दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

अठखंभा स्थित नृसिंह मंदिर में दोपहर 12 बजे मंदिर के पुरोहित विजयकिशोर मिश्र के आचार्यत्व में सेवायतों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य भगवान नृसिंह के श्रीविग्रह का पंचामृत अभिषेक कर आरती की गई। भगवान नृसिंह,

श्रीगणेश जी और वराह भगवान के मुकुटों का पूजन भी किया गया। जहां ठाकुरजी के अभिषेक के दर्शन कर भक्तों ने पुण्य कमाया। शाम को अठखंभा चौराहा पर नृसिंह लीला का मंचन किया गया। जहां लीला का मंचन शुरू होने से पहले ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लीला मंचन शुरू होते ही चारों ओर जयघोष होने लगे और भक्तों ने लीला का जमकर आनंद लिया। इस दौरान दिनेशचंद्र शर्मा, बाबूलाल शर्मा, मदन शर्मा, गोविंद किशोर मिश्र, महेशचंद शर्मा, दीपक शर्मा, सोनू शर्मा, रवि मोतीवाला आदि मौजूद रहे।

आंधी बरसात से मौषम हुआ सुहाना

सुबह ठंडी हवा, दोपहर में तेज धूम, शाम को बरसात से खुशनुमा हुआ दिन

जहीर आलम / बुलंद मजिल

वृंदावन। धर्म नगरी में भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए गुरुवार का दिन राहत भरा रहा। पहले ठंडी-ठंडी हवा और फिर शाम को तेज आंधी के बाद हुई हल्की बरसात से मौषम सुहाना हो गया। मौसम के बदले मिजाज से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। वहीं मंदिरों सहित सड़कों पर लोगों की खासी चहल-पहल दिखाई दी।

श्रीधाम में गुरुवार की सुबह खासी खुशनुमा रही, सुबह से चल रही ठंडी हवाओं ने श्रद्धालुओं को काफी राहत पहुंचाई। मौसम सुहाना हुआ तो बांकेबिहारी मंदिर व इस्कॉन मंदिर की गलियों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। दोपहर होते ही

सूर्यदेव के तेवर फिर से तल्ख हो गए, चिलचिलाती धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। ? वैशाख की तपिश ने समूचे ब्रज को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे पारा लागातार उच्च स्तर तक जा पहुंचा। सुबह की सुहावनी ठंडक दोपहर में लू के थपेड़ों में तब्दील हो गई, जिसके कारण प्रमुख बाजारों और परिक्रमा मार्ग पर सन्नाटा पसरा नजर आया। शाम करीब 4 बजे मौसम ने एक बार फिर करवट बदली, ठंडी हवाओं के साथ ही आसमान में काली-काली बदली छा गई और कुछ ही देर में आंधी के साथ हल्की बरसात होने लगी। भले ही बरसात कुछ देर के लिए हुई, लेकिन इसका असर देर शाम तक देखा गया और मंदिरों सहित सड़कों पर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भीड़ नजर आने लगी।

हालांकि मौसम विभाग के सटीक आंकड़ों के अनुसार, हवा में नमी की कमी और पछुआ पवनों के सक्रिय होने से उमस और गर्मी का दोहरा असर देखा जा रहा है। ?वर्तमान हालात को देखते हुए प्रशासन ने भी तीर्थयात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, क्योंकि पल में सुखद अनुभव और कुछ ही देर में भीषण गर्मी में बदलते देर नहीं लग रही है। जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में गर्मी का ग्राफ और ऊपर जा सकता है, जिससे रात के तापमान में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। फिलहाल, तड़के और शाम को दर्शन करने वाले भक्तों को तो राहत मिल रही है, लेकिन दिन के समय तीखी धूप और उमस आम जनजीवन को बेहाल कर रही है।

ताऊ की हत्या का 24 घंटे में खुलासा, भतीजा गिरफ्तार, आलाकत्ल कुल्हाड़ी बरामद

-हाथरस जंक्शन पुलिस की बड़ी सफलता, पारिवारिक विवाद और रुपयों के लेन-देन में हुई वारदात का पदार्फाश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुर में हुई सनसनीखेज हत्या की घटना का मात्र 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने निशादेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल कुल्हाड़ी (टेंचिया) भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दिनांक 27/28 अप्रैल 2026 की रात्रि को जगदीश प्रसाद शर्मा पुत्र बंगाली शर्मा, निवासी पहाड़पुर की अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में वादी लक्ष्मण कुमार शर्मा द्वारा तहरीर दी गई, जिसके आधार पर थाना हाथरस जंक्शन पर मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए

पुलिस अधीक्षक हाथरस चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा मौके का निरीक्षण कर तत्काल पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राराऊ के नेतृत्व में टीमों ने टेक्निकल साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज एवं धरातलीय साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई।

जांच के दौरान पुलिस ने 29 अप्रैल 2026 को एक आरोपी कपिल शर्मा पुत्र राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, निवासी पहाड़पुर को सरकारी कुएं के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि पारिवारिक विवाद और रुपये के लेन-देन के चलते उसने अपने ताऊ की हत्या की योजना बनाई थी। आरोपी के अनुसार, मृतक द्वारा ट्रैक्टर के पांच लाख रुपये मांगे जाने से वह आक्रोशित था। इसी के चलते उसने 27 अप्रैल की रात योजना बनाकर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी।

पुलिस ने आरोपी की निशादेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 120/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना का सफल अनावरण करने वाली टीम को 25,000 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम कपिल शर्मा पुत्र राजेन्द्र प्रसाद शर्मा निवासी पहाड़पुर, थाना हाथरस जंक्शन बताया गया है। पुलिस टीम द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

हाथरस जंक्शन क्षेत्र में घर में घुसकर दुष्कर्म व मारपीट का आरोप, पुलिस पर रिपोर्ट न दर्ज करने का भी आरोप

-एसपी से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग, मामला आरोपों पर आधारित

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जंक्शन क्षेत्र में एक महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेजा है। प्रार्थिया रूबी पत्नी अयूब खाँ, निवासी सूजिया बाना, थाना हाथरस जंक्शन, जिला हाथरस ने आरोप लगाया है कि 20 अप्रैल 2026 को लगभग दो से ढाई बजे के बीच कुछ युवक उसके घर में घुस आए।

प्रार्थना पत्र के अनुसार, आरोप है कि आरिफ, आदिल और सादिल (पुत्रगण आजाद, निवासी सूजिया, थाना हाथरस जंक्शन) नामक व्यक्तियों ने घर में घुसकर उसके साथ कथित रूप से दुष्कर्म किया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोप है कि रामवीर, साकिर सहित कुछ अन्य लोगों ने पीड़िता और उसके परिजनों के साथ मारपीट की तथा बाद में जान से मारने

की धमकी देकर मौके से चले गए। पीड़िता का यह भी आरोप है कि जब वह घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची तो उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, बल्कि कथित रूप से उसे एक सफेद कागज पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। फिलहाल यह मामला आरोपों पर आधारित है, और पुलिस की ओर से आधिकारिक जांच या पुष्टि का विवरण सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही से मचा हड़कंप , बंद हुए शटर

भुड़ासी में एक क्लीनिक किया सीज , दो को जारी नोटिस

बुलंद मजिल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। तहसील थाना शाहबाद क्षेत्र में जब हड़कंप मच गया जब स्वास्थ्य विभाग ने बृहस्पतिवार के दिन बड़ी कार्रवाई कर डाली । मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने ग्राम भुड़ासी में पहुंचकर झोलाछाप डॉक्टर की एक क्लीनिक को सीज कर दिया। इसके अलावा वहीं पर अवैध रूप से संचालित दो क्लिनिकों को नोटिस भी जारी हैं। आपको बताते चलें कि शाहबाद क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है इससे पहले भी नोडल अधिकारी द्वारा सेफनी एवं शाहबाद क्षेत्र में कई अवैध अस्पताल एवं क्लिनिक सीज किए गए थे। नोडल अधिकारी ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए कई क्लिनिक सीज किए हैं। जिसकी जानकारी मिलते ही अपंजीकृत अस्पताल एवं लेब आदि संचालक अपनी दुकान बंद करके भाग निकले। कहीं उनके ऊपर स्वास्थ्य विभाग की बिजली ना गिर जाए।

सड़क पार कर रही युवतियों को बाइक सवार ने किया घायल

बुलंद मजिल

शाहबाद रामपुर। मामला नगर शाहबाद का है जहां सड़क पर पैदल जा रही कुछ युवतियों से एक बाइक सवार टकरा गया और मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर घायल हो गया स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहाबाद पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर युवतियो एवं युवक को घर भेज दिया जानकारी के अनुसार अमन पुत्र प्रेमपाल अपनी मोटरसाइकिल से किसी काम से शाहबाद आया था अस्पताल रोड पर जाते समय उसकी मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ गया और सड़क पर जा रही कुछ युवतियों से टकरा गया मिली जानकारी के अनुसार युवक एवं युबतियो के मामूली चोट आने पर उन्हें घर भेज दिया गया ।

एडिशनल एसपी ने रामपुर में की जनसुनवाई दिए सख्त निर्देश

बुलंद मजिल /विनोद गुप्ता

रामपुर । गुरुवार को एडिशनल एसपी अनुराग सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय पर जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याओं/शिकायतों को सुना गया, जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

कार और ऑटो रिक्शा की आमने सामने से भिड़त, दो घायल

बुलंद मजिल

पटवाई। थाना क्षेत्र के निकट पेट्रोल पंप नदनऊ गांव के पास कार और ऑटो रिक्शा की आमने सामने भिड़त हो गई। जिसमें दो लोग घायल हो गए। जिन्हें आनन फानन में एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर ऑटो रिक्शा चालक की मां मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती जिसे देखने अस्पताल जा रहा वही दूसरी रामपुर की तरफ से दूल्हा दुल्हन को लेकर कार चालक लेकर आ रहा था। जिसकी रामपुर मार्ग पर नदनऊ गांव के पास टक्कर हो गई। जिसमें ऑटो चालक आनंद वर्मा और दिनेश घायल हो गए। जिसे राहगीरों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल व्यक्तियों को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवा दिया। थाना प्रभारी नरेश कुमार ने बताया कि घायल व्यक्तियों को जिला अस्पताल भिजवा दिया वहीं दूल्हा दुल्हन को कार चालक द्वारा घर भिजवा दिया है तहरीर मिल गई है जांच कर केस दर्ज करेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न, एसपी भी रहे शामिल

-9 मई 2026 को होने वाली लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के दिए गए निर्देश

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशों के अनुपालन में आगामी 09 मई 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जनपद न्यायाधीश विनय कुमार-तृतीय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में सम्पन्न हुई, जिसमें समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनपद न्यायाधीश द्वारा चिन्हित वादों, जारी

सम्मन-नोटिस तथा उनकी तामीला की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित मामलों को चिन्हित कर पक्षकारों को सुलह-समझौते के आधार पर समाधान के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से किया जा सके। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय बाबूराम, जिलाधिकारी अतुल वत्स, पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा, विशेष न्यायालय (पोक्सो अधिनियम) निर्भय नारायण राय, अपर जनपद न्यायाधीश विजय कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरज मिश्रा, न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू चन्द्रा, जेलर देव दर्शन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्राधिकरण की ओर से कहा गया कि इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी स्तरों पर समन्वय और प्रयास किए जा रहे हैं।

आधार अनुश्रवण समिति की बैठक में त्वरित सेवाओं और बायोमेट्रिक अपडेट पर जोर

-हाथरस में आधार सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश,

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी पी0एन0 दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निस्तारण और नए आधार कार्ड बनाने हेतु आमजन की सुविधा के लिए अधिक से अधिक कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आधार कार्यों में गति एवं सटीकता बनाए रखने, लाभार्थियों को सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने तथा सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंजीकरण एवं अद्यतन केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता समय से सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आधार नागरिकों की एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहचान है,

इसलिए इसका सही एवं समय पर अद्यतन अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान सहायक प्रबंधक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (वक्ऊअक), क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ, संदेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि हाथरस जनपद ने मैंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेट के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश में 14वां स्थान प्राप्त किया है, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि प्रशासन, संबंधित विभागों एवं आमजन की जागरूकता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 5 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट कराना अनिवार्य है तथा यह सुविधा सितंबर 2026 तक निःशुल्क उपलब्ध है। अभिभावकों से अपील की गई कि वे समय रहते अपने बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि जनपद हाथरस में एक नया आधुनिक आधार सेवा केंद्र–5/5 आवास विकास कॉलोनी, केडीआर कॉम्प्लेक्स, एमजी पॉलिटेक्निक गेट नंबर 1 के सामने, आगरा रोड, हाथरस–में प्रारंभ किया गया है, जहां उन्नत सुविधाओं के साथ नागरिकों को बेहतर आधार सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ऑपरेशन दहन में बड़ी कार्रवाई, 31 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ नष्ट

-हाथरस पुलिस ने 48 मामलों में जब्त नशीले पदार्थों का कराया विनष्टीकरण, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कदम

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस जनपद हाथरस पुलिस ने ऑपरेशन दहन के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 31 लाख 06 हजार 500 रुपये मूल्य के मादक पदार्थों का विधिसम्मत विनष्टीकरण किया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश में नशा मुक्त अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई। यह अभियान प्रदेश में 01 मार्च 2026 से 31 मई 2026 तक चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन दहन के अंतर्गत संचालित है, जिसे पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर लागू किया गया है।

पुलिस अधीक्षक हाथरस के कुशल निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों में दर्ज कुल 48 अभियोगों से संबंधित जब्त मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट किया गया। इसके लिए राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की संयुक्त विशेष टीम गठित की गई थी।

विनष्टीकरण की प्रक्रिया जेआर

वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एत्मादपुर (आगरा) स्थित इंसीनेरेटर के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई। इस दौरान कुल 11.427 किलोग्राम विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थ नष्ट किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 31 लाख 6 हजार 500 रुपये बताई गई है।

नष्ट किए गए पदार्थों में नशीला पाउडर, स्मैक, गांजा, चरस, डोडा एवं अफीम शामिल हैं।

पुलिस द्वारा बताया गया कि इस अभियान का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना तथा समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना है। हाथरस पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। ऑपरेशन दहन की यह कार्रवाई नशा तस्करों के लिए सख्त संदेश होने के साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली में जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाली मानी जा रही है।

सौंधन किले से जल्द हटेगा अतिक्रमण एसडीएम निधि पटेल तसीलदार धीरेन्द्र कुमार ने दिए निर्देश

किले के अंदर बरसों से बसे लोगों को 200 गज वर्ग मीटर भूमि आवंटित कर दिया जाए प्लाट

भूरे सिंह यादव/बुलंद मंज़िल सम्भल/सौंधन । तहसील क्षेत्र के गांव में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा ऐतिहासिक सौंधन किले का जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एक वर्ष पूर्व किले के मुख्य गेट का निरक्षण किया गया खंडर हालत देखते हुए जिला अधिकारी ने पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को सूचित किया और सौंदर्य करण कराने के निर्देश दिए और अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। इससे पहले डीएम द्वारा किए गए निरीक्षण में भी किले की जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे पाए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद ही गुरुवार को उप जिलाधिकारी संभल निधि पटेल, तहसीलदार धीरेंद्र कुमार और हल्का लेखपाल नीरज सैनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम निधि पटेल ने किले की जमीन पर बने 30 मकानों को अतिक्रमण की श्रेणी में पाया। उन्होंने मौके पर ही सभी कब्जाधारियों को 3 दिन के भीतर घर खाली करने के सख्त निर्देश जारी किए। एसडीएम ने हल्का लेखपाल नीरज कुमार को निर्देश दिए निरीक्षण में मिले तथ्यों के आधार पर सर्वे कर यह पता लगाया जाए कि इन 30 परिवारों के पास रहने के लिए दूसरी जगह नहीं है। जिनके पास कोई भूमि नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द भूमि पट्टा मुहैया कराया जाए। वहीं जिन लोगों के पास पहले से दूसरी जगह मकान या जमीन है, उन्हें अपना सामान तुरंत शिफ्ट करने को कहा गया है। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 3 दिन के अंदर अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो जेसीबी मशीन से कार्रवाई कर सभी अवैध कब्जा ध्वस्त कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि डीएम एसपी के निरीक्षण के बाद कार्रवाई तेज हुई है। इससे पहले भी सौंधन किले के अवैध अतिक्रमण पर रविवार को बुलडोजर से जमीन पर बने तीन घरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल चुका है। लगातार हो रही कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन का कहना है कि ऐतिहासिक धरोहर है मस्जिद कुआं का भी एसडीएम तसीलदार ने को भी देखा और मस्जिद के आगे गंदगी देख भड़के तहसीलदार और हल्का लेखपाल को आदेश देते हुए बोले जल्द साफ सफाई कराई जाए और जो अवैध कब्जा कर अतिक्रमण कर रखा है उसे जल्द हटाया जाए।

सरस्वती विद्या मंदिर चांदपुर में ज्ञान, अनुशासन और तकनीक का संगम मासिक प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न

समता अभ्यास से लेकर कम्प्यूटर दक्षता और वैचारिक चिंतन तक– आचार्यों ने लिया सक्रिय भाग, PPT व आधुनिक तकनीक पर विशेष जोर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत चांदपुर। सरस्वती विद्या मंदिर चांदपुर में गुरुवार, 30 अप्रैल 2026 को मासिक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन उत्साह और अनुशासन के साथ किया गया। लगभग तीन घंटे चले इस प्रशिक्षण वर्ग में विद्यालय के सभी आचार्य बंधु-बहनों ने पूर्ण मनोयोग से सहभागिता की। यह प्रशिक्षण वर्ग विद्या भारती की योजना के अंतर्गत प्रत्येक माह के अंतिम दिवस पर आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य शिक्षकों के शारीरिक, शैक्षिक और वैचारिक विकास को सुदृढ़ करना है। तीन प्रमुख विषयों पर हुआ प्रशिक्षण : कार्यक्रम में तीन मुख्य विषयों–समता अभ्यास, शैक्षिक विषय एवं वैचारिक विषय–पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। समता अभ्यास (शारीरिक प्रशिक्षण) : इस सत्र का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य नवनीत कुमार ने किया। उन्होंने आचार्यों को शारीरिक अभ्यास के महत्व से अवगत कराते हुए समता अभ्यास करवाया, जिससे अनुशासन और शारीरिक सुदृढ़ता का संदेश मिला। शैक्षिक विषय (कम्प्यूटर दक्षता): कम्प्यूटर आचार्य रचित ने आधुनिक शिक्षा में तकनीक के महत्व को रेखांकित करते हुए ढढळ बनाने की विधि तथा अपनी शिक्षण योजना तैयार करने में उँश्रछळ के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस सत्र ने शिक्षकों को डिजिटल युग के अनुरूप खुद को अपडेट करने की प्रेरणा दी। वैचारिक विषय (हमारी वंदना) : अंतिम सत्र में प्रधानाचार्य नवनीत कुमार ने हमारी वंदना विषय पर ढढळ के माध्यम से रोचक एवं प्रेरणादायक प्रस्तुति दी, जिसने सभी आचार्यों को वैचारिक रूप से समृद्ध किया। संचालन व अन्य सहयोग : कार्यक्रम का संचालन नितिन सैनी ने प्रभावी ढंग से किया, जबकि छायांकन का कार्य रचित द्वारा किया गया। सफल समापन : पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, उत्साह और सीखने की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस प्रकार मासिक प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने शिक्षकों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विराट बने आरसीबी की रीढ़, भुवनेश्वर कुमार कर रहे अच्छी गेंदबाजी

विराट कोहली 58.50 की औसत से 351 रन बनाकर आरसीबी की बल्लेबाजी की रीढ़ बने हुए हैं, जबकि देवदत्त पडिक्कल और रजत पाटीदार ने मध्यक्रम में आक्रामक अंदाज में उनका साथ दिया है। उनकी गेंदबाजी भी इस टूर्नामेंट में सबसे असरदार रही है, भुवनेश्वर कुमार अब तक 14 विकेट ले चुके हैं और जोश हेजलवुड लगातार मैच जिताने वाली गेंदबाजी कर रहे हैं। आरसीबी दिल्ली कैपिटल्स पर एकतरफ़ा जीत हासिल करके इस मैच में उतर रही है, जिसमें उसने अपने विरोधी को सिर्फ 75 रन पर ऑल आउट कर दिया था और फिर 6.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। हेज़लवुड ने 4/12 का प्रदर्शन किया, जबकि भुवनेश्वर ने 3/5 विकेट लेकर अपना दबदबा दिखाया।

साई ने पिछले मैच में किया अच्छा प्रदर्शन, बटलर-गिल भी बना रहे रन

गुजरात टाइटन्स चेन्नई सुपर किंग्स पर अपनी हालिया जीत से आत्मविश्वास हासिल करेगी। साई सुदर्शन ने 46 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि जोस बटलर और कप्तान शुभमन गिल ने भी लगातार रन बनाने का अपना सिलसिला जारी रखा। कगिसो रबाडा ने इस सीजन में 13 विकेट लेकर गेंदबाजी की कमान बखूबी संभाली है। घरेलू मैदान का फायदा होने के बावजूद, गुजरात सीज़न में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए तीन मैचों में से सिर्फ एक ही जीत पाई है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट अपने अहम पड़ाव पर पहुंच रहा है, उनकी यह बेजोड़ फॉर्म उनके लिए चिंता का सबब बनी हुई है। अहमदाबाद की पिच से बल्लेबाजी के लिए मददगार होने की उम्मीद है, जहां आईपीएल की पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 180 रहता है।

बिश्नोई को ड्रॉप करने से गिरेगा उनका आत्मविश्वास-अभिनव

एजेंसी □ नई दिल्ली

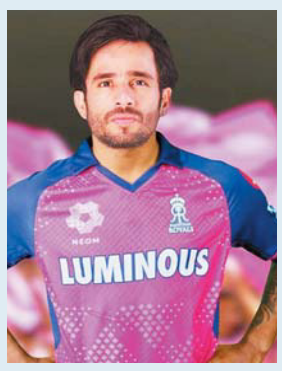

पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि अच्छी फॉर्म में चल रहे रवि बिश्नोई को ड्राप करने से उनका आत्मविश्वास प्रभावित होगा। एक टाइमआउट शो में अभिनव मुकुंद ने कहा, 'मैं यश राज को खिलाने के फैसले से पूरी तरह सहमत नहीं हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि आईपीएल में लंबे समय तक सफल रहने वाली टीमों ने अपने गेंदबाज़ों या भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत कोर बनाए रखा है। और खासकर जब रवि बिश्नोई ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर आप उन्हें किसी दूसरे लेग स्पिनर के लिए बाहर करते हैं, तो इससे उनका आत्मविश्वास बुरी तरह प्रभावित होगा।

पंजाब किंग्स के खिलाफ पुंजा आरआर के सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने चार विकेटों में से दो विकेट लिए। बिश्नोई इस सीजन आरआर में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ आईपीएल 2025 के खराब दौर के बाद आए थे, जहां उन्होंने 11 पारियों में नौ विकेट लिए थे और उनकी इकॉनमी रेट 10.83 रही थी। हालांकि, इससे पहले आईपीएल में उनके कई शानदार सीजन रहे थे- 2020 में अपने पहले सीजन से लेकर 2024 तक उन्होंने क्रमशः 12, 12, 13, 16 और 10 विकेट लिए थे, जबकि उनकी इकॉनमी रेट 7.37, 6.34, 8.44, 7.74 और 8.77 रही। उनके 44 टी-20ढ्ढ मैचों में से 37 मुक़ाबले 2022 से 2024 के बीच आए हैं। और फिर उनका प्रदर्शन गिर गया।

भारतीय पहलवानों ने एशियन बीच गेम्स में जीते चार पदक

एजेंसी □ सान्या (चीन)

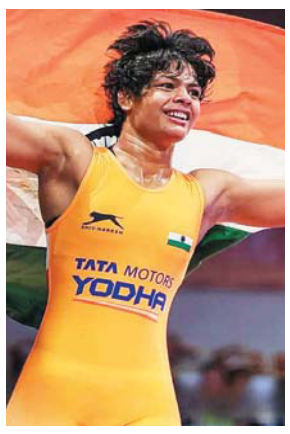

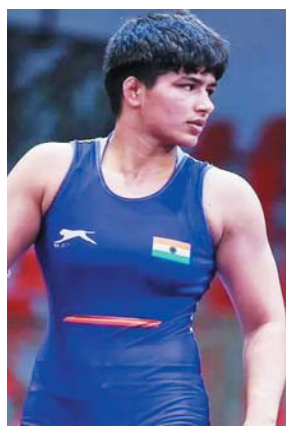

भारतीय पहलवानों ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन बीच गेम्स 2026 में बीच रेसलिंग में दो स्वर्ण सहित चार पदक जीते। इसी के साथ भारत के पदकों की संख्या छह हो गई। आज हुए मुकाबलों में प्रिया मलिक (महिलाओं की 70 किग्रा) और पुष्पा यादव (महिलाओं की 60 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि सिद्धार्थ (पुरुषों की 70 किग्रा) और जसप्रीत कौर (महिलाओं की 70 किग्रा) ने क्रमशः रजत और कांस्य जीते। महिलाओं के 60 किग्रा फाइनल में, पुष्पा यादव ने चीन की एशियन चैंपियन ज़ी मेंग्यू को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वियतनाम की थी माई हान गुयेन ने पोडियम पूरा किया।

एशियन पदक विजेता प्रिया मलिक ने महिलाओं के 70 किग्रा फाइनल में मंगोलिया की बोलोरटुंगलाग ज़ोरिग्ट को 3-2 से हराकर रेसलिंग में भारत के लिए दूसरा गोल्ड मेडल जीता।

भारत के पुरुष पहलवानों में, सिद्धार्थ अकेले ऐसे थे जिन्हें 70 किग्रा कैटेगरी में पोडियम पर जगह मिली। सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद अब्दुल्ला को 1-0 से हराने के बाद, सिद्धार्थ को फाइनल में ईरान के अलीअकबर ज़रौदी से 3-0 से हारकर सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। एशियन बीच गेम्स 2026 में भारत के छह पदकों में तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं।

श्रीशंकर ने ओलंपिक पदक विजेता को पछाड़कर लंबी कूद का खिताब जीता

एजेंसी □ प्रिटोरिया (दक्षिण अफ्रीका)

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता मुरली श्रीशंकर ने यहां सिम्बाइन क्लासिक 2026 एथलेटिक्स मीट में पुरुषों की लंबी कू द का खिताब जीतकर इस सीजन की अपनी शानदार शुरुआत को जारी रखा।

पिल्लिच स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा करते हुए, 27 वर्षीय भारतीय एथलीट ने 8.12 मीटर की छलांग लगाकर यह प्रतियोगिता जीत ली। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी दिवान मैनुअल (8.07 मीटर) और रियो 2016 के रजत पदक विजेता लुवो मान्योंगा (7.86 मीटर) को पीछे छोड़ दिया। सिम्बाइन क्लासिक 2026 एक वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर, श्रेणी बी स्तर का इवेंट है।

श्रीशंकर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.41 मीटर है, जो उन्होंने तीन साल पहले भारतीय चैंपियनशिप में हासिल किया था। पुरुषों की लंबी कूद का राष्ट्रीय रिकॉर्ड जेस्विन एल्ड्रिन के नाम है, जिन्होंने 8.42 मीटर की छलांग लगाई थी।

भारतीय भारोत्तोलकों ने एक स्वर्ण और तीन रजत जीते

एजेंसी □ नई दिल्ली

भारतीय भारोत्तोलकों ने अपिया, समोआ में चल रही 2026 कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के साथ-साथ यूनिवर्सल कप में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, और प्रतियोगिता के तीसरे दिन एक स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतकर अपने पदकों की संख्या में और इज़ाफ़ा किया।

कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर चैंपियनशिप में बेलाना हरिका ने 69 किग्रा वर्ग में कुल 197 किग्रा (स्नैच में 86 और क्लीन एंड जर्क में 111 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण जीता जबकि करांगी तरंगिनि ने 63 किग्रा में कुल 179 किग्रा (स्नैच में 79 और क्लीन एंड जर्क में 100 किग्रा) वजन उठाकर रजत और भूमिका मोहिते ने 63 किग्रा में कुल 195 किग्रा (स्नैच में 86 और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा) वजन उठाकर रजत जीता।

यूनिवर्सल कप में अभिषेक निपाने ने 88 किग्रा वर्ग में कुल 324 किग्रा (स्नैच में 140 और क्लीन एंड जर्क में 184 किग्रा) वजन उठाकर रजत जीता।

मैड्रिड ओपन : जोडार और सिनर के बीच होगा ब्लॉकबस्टर मुकाबला

एजेंसी □ मैड्रिड

राफेल जोडार मैड्रिड ओपन में पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। अपने घरेलू मैदान पर उन्होंने विट कोप्रिवा को 7-5, 6-0 से हराकर दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जानिक सिनर के साथ क्वार्टरफाइनल में अपनी पहली भिड़ंत तय की। 19 साल के यह स्पेनिश खिलाड़ी इस दशक में मास्टर्स 1000 इवेंट के अंतिम आठ में पहुंचने वाले सिर्फ छठे टीनेजर हैं, जबकि मैड्रिड टूर्नामेंट के इतिहास में इस चरण तक पहुंचने वाले वह सिर्फ़ चौथे वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी हैं। धूप से तपते मनोलो सैन्टाना स्टेडियम में कोप्रिवा को हराने के लिए इस 19 साल के खिलाड़ी को सिर्फ 80 मिनट लगे। जोडार का अगला मुकाबला सिनर से होगा। सिनर इतिहास के पहले ऐसे खिलाड़ी बनने का लक्ष्य रख रहे हैं जो लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीते।

सबालेंका को हरा हैली बैप्टिस्ट ने किया यादगार उलटफेर

एजेंसी □ मैड्रिड

दुनिया की नंबर 30 टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हरा हैली बैप्टिस्ट ने महिला एकल टेनिस क्वार्टर-फाइनल मुकाबले में टॉप सीड आर्यना सबालेंका को हराकर मैड्रिड ओपन 2026 का बड़ा उलटफेर किया। अमेरिका की उभरती हुई स्टार हैली बैप्टिस्ट ने दो घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बेलारुस की आर्यना सबालेंका को तीन सेट, 2-6, 6-2, 7-6 (6) में हराकर अपने करियर की यागदार जीत दर्ज करते हुए मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में पहली बार जगह बना ली।

मैड्रिड ओपन में पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचते हुए, बैपटिस्ट का सामना अब दुनिया की नंबर 8 मिरा एंड्रीवा से होगा, जिन्होंने मंगलवार (28 अप्रैल) को कनाडा की लेयला फर्नांडीज को सीधे सेटों में 7-6(1), 6-3 से हराया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
शुक्रवार , 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

बरेली द्वारा गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल रैली का आयोजन किया

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रोहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा गुजरात स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ समाज, स्वच्छ पर्यावरण एवं जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

यह रैली विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक भवन से सायं 5:00 बजे प्रारंभ हुई, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. के. पी. सिंह, परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह , प्रो. एस एस बेदी, प्रो. यतेन्द्र कुमार, डॉ. सौरभ मिश्रा, डॉ. अतुल कटियार, सुधांशु शर्मा रामप्रीत मनोज पांडेय आदि की उपस्थिति रही । कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अजय यादव द्वारा किया गया। रैली में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने पैडल चलाएं, कदम बढ़ाएं, बदलाव लाएं के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

यूपी के इस जिले में किशोरी से गैंगरेप के दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। क्योलड़िया थाना क्षेत्र में एक 13 साल की मासूम की अस्मत लूटने वाले दरिंदों को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर उनके अंजाम तक पहुँचा दिया। बुधवार देर रात मधु नगला मढ़ी के जंगलों में हुई सनसनीखेज मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को दबोच लिया। जवाबी फायरिंग में मुख्य आरोपी साकिब के पैर में गोली लगी है, जिससे वह वहीं गिर गया।

बहला-फुसलाकर ले गए जंगल, फिर लूटी मासूम की अस्मत

दिल को झकझोर देने वाली यह वारदात मंगलवार को उस वक्त हुई जब पीड़िता का पिता मजदूरी करने गया था। गांव के ही दो हैवान– साकिब और मनीष– ने घात लगाकर 13 साल की बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाने की साजिश रची। आरोपी मासूम को बहला-फुसलाकर अपनी बाइक पर बैठा ले गए और मधु नगला मढ़ी के घने जंगलों में ले जाकर दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। शाम को जब लहूलुहान और बदहवास हालत में मासूम घर पहुँची, तो उसकी दास्तां सुनकर पूरा इलाका दहल उठा।

पुलिस को देख दाग दी गोली, जवाबी कार्रवाई में 'लंगड़ा' हुआ साकिब

वारदात के बाद से ही क्योलड़िया पुलिस की कई टीमें इन दरिंदों के पीछे लगी थीं। बुधवार रात करीब 11 बजे पुलिस को सटीक सूचना मिली कि दोनों आरोपी भागने की फिराक में जंगल में छिपे हैं। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी शुरू की, खुद को फंसता देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर सीधी फायरिंग झोंक दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई में गोली सीधे साकिब के पैर में जा धंसी। गोली लगते ही आरोपी साकिब चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उसे और उसके साथी मनीष को दबोच लिया।

मौके से असलहा बरामद, अब कोर्ट में होगी पेशी

मुठभेड़ स्थल पर जांच के दौरान पुलिस को एक अवैध तमंचा और कारतूस के दो खोखे मिले हैं। प्रभारी सीओ पंकज श्रीवास्तव ने साफ कर दिया है कि अपराध करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी। घायल साकिब को कड़ी सुरक्षा के बीच अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि उसके साथी मनीष से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने गुरुवार को दोनों को कोर्ट में पेश करेगी, जहाँ से उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की तैयारी है। इस कार्रवाई के बाद से इलाके के अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

शादी समारोह में डीजे के दौरान हर्ष फायरिंग, नाच रहे युवक को लगी गोली, मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

पीलीभीत। पूरनपुर के सुआबोझ गांव में एक शादी समारोह उस वक्त मातम में बदल गया, जब हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली ने एक युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। डीजे पर नाच-गाने के बीच अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। खुशियों के माहौल में अचानक गूंजी गोली ने सभी को दहशत में डाल दिया।

घटना बुधवार देर रात की है, जब गांव में एक ग्रामीण की बेटी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। डीजे की धुन पर लोग झूम रहे थे और बारात का जश्न अपने चरम पर था। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने हर्ष फायरिंग कर दी। गोली सीधे गांव निवासी जगवीर (35) पुत्र रामपाल की गर्दन में जा लगी। जैसे ही जगवीर खून से लथपथ होकर जमीन पर गिरे, मौके पर चीख-पुकार मच गई। डीजे बंद हो गया और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, चल रहा इलाज

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण घायल जगवीर को आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें लगातार निगरानी में रखा गया है। बताया जा रहा है कि घायल और आरोपी दोनों ही हाईवे किनारे स्थित एक राइस मिल में काम करते हैं, जिससे घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। कोतवाल पवन पांडेय ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए फायरिंग करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और घटना की पूरी जांच शुरू कर दी गई है।

गांव में तनाव, समझौते के प्रयास भी शुरू

इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। लोग घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग मामले को दबाने और आपसी समझौते से निपटाने की कोशिश में भी जुटे हुए हैं। हालांकि पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बरेली कॉलेज के गेस्ट लेक्चरर की मौत, कैंपस में पसरा मातम, सहकर्मियों ने जताया शोक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बरेली कॉलेज के राजनीति शास्त्र विभाग में अतिथि प्रवक्ता रहे डॉ. मिन्नी यादव की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह हादसा उनके गृह जनपद जौनपुर में हुआ, जहां डंपर से टक्कर के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुखद खबर मिलते ही बरेली कॉलेज परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। प्रोफेसर, कर्मचारी, छात्रनेता और छात्र सभी गमगीन नजर आए। जानकारी के अनुसार डॉ. मिन्नी यादव अपने भाई राजेंद्र यादव के साथ जौनपुर से लौट रहे थे। सुजानगंज थाना क्षेत्र के बाहरपुरकला गांव के पास उनकी कार की डंपर से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि 42 वर्षीय डॉ. मिन्नी यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए लखनऊ के पीजीआई में भर्ती कराया गया है।

बरेली कॉलेज से ही पढ़ाई, यहीं बने शिक्षक

डॉ. मिन्नी यादव मूल रूप से जौनपुर के रहने वाले थे, लेकिन उनका बरेली से गहरा जुड़ाव था। उनके भाई बरेली में पीडब्ल्यूडी विभाग में तैनात थे, जिसके चलते उनका परिवार यहीं बस गया। उन्होंने बरेली कॉलेज से ही पढ़ाई की और छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह इसी कॉलेज में अतिथि प्रवक्ता के रूप में पढ़ाने लगे थे। पूर्व छात्रसंघ महामंत्री डॉ. ह्रदेश यादव ने बताया कि मिन्नी यादव छात्र राजनीति में बेहद सक्रिय रहे। वह किसी एक दल से नहीं, बल्कि छात्रों के नेता के रूप में जाने जाते थे। सक्रिय छात्र नेताओं की हर संभव मदद करना उनकी पहचान थी।

सहकर्मियों ने जताया गहरा शोक

राजनीति शास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. नीलम गुप्ता ने बताया कि दो दिन पहले ही उनसे बातचीत हुई थी और उनकी परीक्षा ड्यूटी भी लगी थी। अचानक आई इस खबर पर पहले तो किसी को यकीन ही नहीं हुआ। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राजीव यादव समेत कॉलेज के कई शिक्षकों और छात्रों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। डॉ. मिन्नी यादव की असमय मौत से बरेली कॉलेज का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया है। पुराने छात्र नेताओं से लेकर वर्तमान छात्रों तक हर कोई उन्हें याद कर भावुक हो रहा है। एक मिलनसार, मददगार और सक्रिय शिक्षक का यूं अचानक चले जाना पूरे कैंपस के लिए गहरा सदमा बन गया है।

टैंकर से टकराई कार, दुल्हन समेत तीन महिलाओं की मौत, विदा कराकर लौट रहे थे घर, दूल्हे की हालत नाजुक

दैनिक बुलन्द मंज़िल

शाहजहांपुर। पांच दिन पहले जिस घर में शहनाइयां गूंजी थीं, वहीं गुरुवार को चीखों और मातम का सन्नाटा पसरा मिला। खुटार क्षेत्र में नवविवाहिता को मायके से विदा कराकर लौट रही कार हाईवे पर डीजल टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि नई दुल्हन कल्पना समेत तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पति गंभीर हालत में जिंदगी से जूझ रहा है। इस हादसे ने शादी की खुशियों को पल भर में शोक में बदल दिया।

पुवायां थाना क्षेत्र के अगौना खुर्द निवासी रामनाथ वर्मा के बेटे अनिल की शादी 25 अप्रैल को खुटार के पिपरिया भागवंत गांव की 22 वर्षीय कल्पना से हुई थी। शादी के बाद परंपरा के अनुसार कल्पना चौथी पर मायके आई थी। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे अनिल अपने रिश्तेदारों के साथ उसे विदा कराकर कार से वापस घर लौट रहा था। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर आखिरी साबित होगा। कार को मोहम्मदी के उधनापुर निवासी निर्देश चला रहे थे। जैसे ही गाड़ी खुटार के रौतापुरकलां मोड़ के पास पहुंची, सामने से आ रहे डीजल टैंकर से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और अंदर बैठे लोग बुरी तरह फंस गए। हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई।

तीन महिलाओं की मौके पर मौत, पति की हालत नाजुक

सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 30 वर्षीय रीना देवी, 22 वर्षीय नवविवाहिता कल्पना और 25 वर्षीय शेसवी को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल निर्देश को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जबकि पति अनिल की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। हादसों का सिलसिला यहीं नहीं रुका। इसी दिन सुबह पुवायां क्षेत्र के भूड़ा मैनारी ओवरब्रिज के पास बोलेरो और बाइक की टक्कर में एक पूरा परिवार खत्म हो गया। निगोही निवासी अरुण कुमार उर्फ कन्हैया (40), उनकी पत्नी सीमा देवी (35), बेटी दीक्षा (8) और बेटे नैतिक (6) की मौके पर ही मौत हो गई। कुछ ही घंटों के अंतराल में आठ लोगों की मौत ने इलाके को झकझोर दिया।

खूनी हाईवे पर उठे सवाल, कब जागेगा सिस्टम

लगातार हो रहे हादसों ने शाहजहांपुर-पलिया हाईवे को ह्यमौत का रास्ताह्ण बना दिया है। स्थानीय लोग लंबे समय से सुरक्षा इंतजाम, स्पीड कंट्रोल और निगरानी की मांग कर रहे हैं, लेकिन हालात जस के तस हैं। गुरुवार के दो बड़े हादसों के बाद लोगों में आक्रोश है और प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि दोनों हादसों में शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है।

कक्षा-क्क उ रिजल्ट में छात्रों का शानदार प्रदर्शन: 99.6 प्रतिशत के साथ बरेली की प्रजाना बनीं मंडल टॉपर, अनिरुद्ध ने भी मारी बाजी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) द्वारा गुरुवार सुबह 11 बजे घोषित किए गए आईसीएसई (कक्षा 10वीं) और आईएससी (कक्षा 12वीं) के परिणाम में बरेली के विद्यार्थियों ने दमदार प्रदर्शन किया। कक्षा 10वीं में शहर की प्रजाना पाराशरी ने 99.6 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे बरेली मंडल में पहला स्थान प्राप्त किया और शहर का नाम रोशन किया।

ऑनलाइन-ऑफलाइन पढ़ाई और एआई से बनाई सफलता की राह

बिहारीपुर निवासी प्रजाना पाराशरी कैंट स्थित सेंट मारिया गोरेटी इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय संतुलित पढ़ाई को दिया। प्रजाना ने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से तैयारी की, साथ ही जरूरत पड़ने पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का भी सहारा लिया। उन्होंने सोशल मीडिया का सीमित और नियंत्रित उपयोग किया। प्रजाना को इतिहास और रसायन विज्ञान में 100-100 अंक मिले, जबकि भौतिक विज्ञान में उनके 97 अंक रहे। उनका लक्ष्य डॉक्टर बनना है।

हार्टमन कॉलेज की अपर्णा ने भी लहराया परचम

कक्षा 10वीं में ही हार्टमन कॉलेज की छात्रा अपर्णा ने 98.40 प्रतिशत अंक हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया। अपर्णा ने बताया कि उन्होंने लक्ष्य तय कर नियमित पढ़ाई की। वह भविष्य में न्यूरो सर्जन बनना चाहती हैं।

12वीं में अनिरुद्ध जौहरी ने मारी बाजी

आईएससी (कक्षा 12वीं) के परिणाम में हार्टमन कॉलेज के छात्र अनिरुद्ध जौहरी ने 96.75 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अनिरुद्ध ने बताया कि उन्होंने पूरी लगन के साथ पढ़ाई की और रात के समय अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया। उनका कहना है कि सभी के पास समान समय होता है, जरूरत है तो सिर्फ सही उपयोग की। अनिरुद्ध इंजीनियर बनना चाहते हैं।

शहर में खुशी का माहौल, छात्रों को मिल रहीं बधाइयां

रिजल्ट घोषित होते ही शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। स्कूलों में शिक्षकों और अभिभावकों ने मेधावी छात्रों को बधाइयां दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों की इस सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और सही रणनीति से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

सुबह की सैर बनी मौत का सफर, कुत्तों के झुंड ने दौड़ाया, बाइक से गिरकर शिक्षिका की मौत

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक अब जानलेवा होता जा रहा है। कर्मचारी नगर क्षेत्र में बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना में कुत्तों के झुंड से बचने की कोशिश कर रहीं 65 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षिका की बाइक से गिरकर मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में गुस्से का उबाल फूट पड़ा और लोगों ने नगर निगम की लापरवाही के खिलाफ जमकर हंगामा किया।

वीर सावरकर फेस-2 निवासी महेश चंद्र की पत्नी मंजू सक्सेना (65) हाल ही में बेसिक शिक्षा विभाग से रिटायर हुई थीं। बुधवार सुबह वह अपने बेटे शानू के साथ बाइक से कर्मचारी नगर स्थित केसर वाटिका में अपने दामाद शुभम सक्सेना के घर जा रही थीं। जैसे ही बाइक ऑफिसर्स एन्क्लेव विस्तार कॉलोनी में राहुल प्रोविजन स्टोर के पास पहुंची, तभी अचानक कुत्तों का झुंड उनके पीछे दौड़ पड़ा। घबराहट में बाइक का संतुलन बिगड़ा और मंजू सक्सेना सड़क पर सिर के बल गिर पड़ीं।

सिर में गंभीर चोट, मौके पर ही टूट गई सांसें

हादसे में मंजू सक्सेना के सिर में गंभीर चोट आई और अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। परिजन आनन-फानन में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की समधिन शशि रायजादा ने बताया कि मंजू सक्सेना को इलाज के लिए दिल्ली जाना था, लेकिन उससे पहले ही यह दर्दनाक हादसा हो गया।

कागजों में बंद एबीसी सेंटर, सड़कों पर खुला आतंक

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में आवारा कुत्तों को काबू करने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। परसाखेड़ा के नदौसी में 1.81 करोड़ की लागत से बना एबीसी (एनिमल बर्थ कंट्रोल) सेंटर एक साल से ज्यादा समय से सिर्फ कागजों में चल रहा है। 200 कुत्तों को रखने की क्षमता वाले इस सेंटर में अब तक एक भी कुत्ता नहीं रखा गया। फर्म का चयन होने के बावजूद कार्रवाई ठंडे बस्ते में है।

लोगों का फूटा गुस्सा, नगर निगम पर लापरवाही का आरोप

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर हंगामा किया। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने मामले में जांच कराने की बात कही है।

यूपी के इस जिले में गरीबों का गेहूं-चावल डकार गया कोटेदार, स्टॉक में खेल पकड़ते ही दर्ज हुआ मुकदमा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले में सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी पर प्रशासन ने सख्त शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। गरीबों के हक का राशन हड़पने वाले कोटेदारों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत संजय नगर क्षेत्र के एक कोटेदार के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बारादरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत एफआईआर दर्ज कराकर साफ संदेश दे दिया है कि अब राशन में हेराफेरी बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण में खुली पोल, स्टॉक और रजिस्टर में भारी खेल

संजय नगर के अशोक विहार कॉलोनी निवासी रूप सिंह की शिकायत पर पूर्ति निरीक्षक अलीम खान की टीम ने मंगलवार को कोटेदार रतिराम जयंत की दुकान पर छापा मारा। जब टीम ने स्टॉक रजिस्टर का मिलान किया तो हकीकत चौंकाने वाली निकली। रिकॉर्ड में जहां 43 बोरी गेहूं दर्ज था, मौके पर सिर्फ 24 बोरी ही मिली। इसी तरह चावल के स्टॉक में भी गड़बड़ी सामने आई।

19 बोरी गेहूं और एक बोरी चावल ह्यगायबह्न, जवाब नहीं दे सका कोटेदार

जांच के दौरान कुल 19 बोरी गेहूं और एक बोरी चावल गायब मिला। सबसे हैरानी की बात यह रही कि कोटेदार इस भारी कमी का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा कि यह मामला सीधे तौर पर खाद्यान्न की कालाबाजारी की ओर इशारा करता है।

डीएम की अनुमति के बाद दर्ज हुई एफआईआर, मचा हड़कंप

जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी से अनुमति मिलने के बाद बुधवार को आरोपी कोटेदार के खिलाफ बारादरी थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से अन्य कोटेदारों में भी हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि गरीबों के राशन में घोटाला करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

सील तोड़कर चल रहे अवैध अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत, झोलाछाप डॉक्टर फरार

चार महीने पहले ही स्वास्थ्य विभाग ने किया था सील, फिर भी चल रहा था "चिराग हॉस्पिटल"

दैनिक बुलंद मंज़िल

मुरादाबाद। मैनाठेर थाना क्षेत्र के महमदपुर माफी गांव में अवैध रूप से संचालित एक अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना के बाद से अस्पताल संचालक फरार हैं, जबकि परिजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के गांव मिलक निवासी पुष्पेंद्र अपनी पत्नी स्वाति को प्रसव पीड़ा होने पर ह्यचिराग हॉस्पिटलह्न नामक अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि अस्पताल संचालक अंकित और उसकी पत्नी शशि सागर ने बिना किसी अवैध डिग्री के

ऑपरेशन कर प्रसव कराया। ऑपरेशन के कुछ ही समय बाद महिला की तबियत बिगड़ गई। कुछ ही देर बाद महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उक्त अस्पताल को करीब चार महीने पहले स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील किया गया था। नोडल अधिकारी सौरभ बरतारिया ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल को वेल्डिंग कर बंद कराया था। इसके बावजूद संचालक ने सील तोड़कर दोबारा अस्पताल का संचालन शुरू कर दिया। जो प्रशासनिक आदेशों की खुली अवहेलना को दशार्ता है। घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मौके पर हंगामा किया। सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल के निर्देश पर अस्पताल को पुनः सील कर दिया। पुलिस ने थाना मैनाठेर में आरोपी अंकित और शशि सागर के खिलाफ अवैध अस्पताल संचालन, सील तोड़ने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल दोनों आरोपी फरार है। पुलिस आरोपी अस्पताल संचालक की तलाश में जुटी है। यह घटना एक बार फिर अवैध क्लीनिकों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

Sacred Confluence: How Piprahwa Relics can Strengthen Ladakh's Social Fabric

Portia B Conrad

The forthcoming exposition of the sacred Piprahwa relics in Ladakh represents far more than a ceremonial religious event; it is a profound civilizational moment capable of strengthening Ladakh's social fabric, revitalising Buddhist cultural identity, and positioning India as a central node in global Buddhist engagement.

Scheduled as a historic public exposition beginning in early May, the display of the Holy Relics of the Tathagata in Ladakh marks the first time these revered relics are being widely accessible in the region, offering an unprecedented opportunity for spiritual unity and cultural renewal.

At a time when Ladakh is negotiating rapid socio-economic change, the sacred presence of the Piprahwa relics, associated with the Shakya lineage of the Buddha, provides a deeply symbolic anchor capable of strengthening community cohesion, intergenerational identity, and global engagement.

Ladakh's social fabric has always been deeply intertwined with Buddhist traditions, monasteries, and community life. Institutions such as the Ladakh Buddhist Association have long played a central role in preserving cultural continuity, supporting social harmony, and sustaining the region's ethical traditions. The arrival of the sacred relics will reinforce these structures by fostering shared participation across villages, monasteries, youth groups, and women's organisations.

Relic veneration in Buddhist societies is not merely devotional; it is communal. Collective gatherings around sacred relics create spaces for dialogue, reconciliation, and intergenerational knowledge transfer. In Ladakh, where modernisation and tourism pressures are reshaping traditional lifestyles, such a shared spiritual moment can act as a stabilising force. The exposition will encourage collaboration among monastic institutions, civil society groups, and local governance bodies, strengthening bonds that extend beyond religious observance into civic life.Moreover, the symbolic reunification and public veneration of relics repatriated to India after more than a century reinforces cultural dignity and historical continuity. The reunification of the Piprahwa relic assemblage after 127 years, by India's Culture Ministry, has been widely regarded as a historic milestone for the global Buddhist community. Such symbolic acts carry deep meaning in regions like Ladakh, where identity remains closely tied to sacred geography and collective memory.

One of the most significant aspects of the forthcoming exposition is the enthusiastic response from mainstream Buddhist leadership across India. From Himalayan monastic orders to Buddhist organisations in metropolitan centres, there is growing eagerness to participate, reflecting a broader national consolidation of Buddhist heritage. Senior monks, scholars, and lay leaders from regions such as Ladakh, Himachal Pradesh, Maharashtra, and the Northeast are expected to converge, transforming Ladakh into a living confluence of traditions.

Such gatherings create important platforms for leadership dialogue and consensus-building on shared challenges, including cultural preservation, youth engagement, language revitalisation, and sustainable development. More importantly, they foster a sense of national Buddhist unity that transcends regional and sectarian boundaries. India's Buddhist institutions increasingly recognise that the Ladakh exposition is not merely a regional event but a national spiritual milestone, one that reinforces India's civilizational identity as the land of the Buddha.

Historically, Ladakh functioned as a civilizational corridor connecting India with Central Asia and Tibet. Monks, manuscripts, artistic traditions, and philosophical ideas travelled through this region, establishing Ladakh as a bridge between cultural worlds. The arrival of the Piprahwa relics symbolically revives this historic role.

In the contemporary context, this role acquires renewed diplomatic significance. Buddhist-majority nations such as Sri Lanka, Thailand, Myanmar, Mongolia, Vietnam, Japan, and South Korea maintain deep spiritual ties with India as the birthplace of Buddhism.

Events centred on sacred relics have historically drawn large numbers of devotees across national boundaries, strengthening both spiritual and diplomatic connections. The Ladakh exposition, therefore, has the potential to become a defining moment in Buddhist outreach, deepening ties with partner nations while enhancing India's cultural presence in Asia.

Beyond its spiritual importance, the exposition also presents a major opportunity for tourism-led development in Ladakh, blending faith with sustainable economic growth. Religious tourism centred on sacred relics has transformed regions across the Buddhist world, drawing large numbers of pilgrims and generating employment, infrastructure development, and thriving cultural enterprises. Past relic expositions have demonstrated how spiritual events can create lasting economic and social benefits.

For Ladakh, this could translate into increased demand for local guides, artisans, hospitality workers, and transport providers, while giving renewed momentum to traditional crafts such as thangka painting, ritual art, and handwoven textiles. Cultural entrepreneurship, through heritage tours, monastery visits, and storytelling traditions, can further strengthen community livelihoods. Infrastructure improvements and better visitor facilities developed for the exposition will benefit both pilgrims and residents. At the same time, local youth will gain new opportunities as translators, cultural interpreters, and heritage ambassadors.

Ladakh's tourism already revolves around its monasteries and sacred landscapes, attracting visitors from across the world. The Piprahwa relic exposition adds a new dimension, elevating Ladakh from a scenic destination to a globally recognised spiritual epicentre and strengthening both its economy and cultural standing.

One of the most enduring impacts of the exposition may be psychological rather than economic. For Ladakhi youth navigating the pressures of globalisation, cultural affirmation plays a vital role in shaping identity and resilience. The presence of sacred relics in their homeland reinforces pride in heritage and strengthens connections to ancestral traditions.

Schools, monasteries, and youth groups can use the exposition as an educational platform, organising lectures, cultural exhibitions, and volunteer initiatives that deepen historical awareness. Such engagement fosters a generation that is culturally rooted yet globally aware, a crucial balance in regions undergoing rapid transformation.

The Piprahwa relic exposition also carries strategic significance for India's international engagement. Buddhism remains one of India's most powerful civilizational linkages with Asia, serving as a foundation for cultural diplomacy and people-to-people exchange. By hosting the exposition in Ladakh, India positions the region as a focal point of transnational Buddhist engagement, enhancing its visibility among global Buddhist communities and reinforcing India's leadership in cultural diplomacy.

Ultimately, the significance of the Holy Piprahwa Relic Exposition lies in its ability to transform spiritual reverence into lasting social cohesion. In Ladakh, where community life is deeply rooted in monasteries and shared rituals, the collective veneration of sacred relics can nurture trust, unity, and resilience across generations. It offers Ladakh an opportunity to reaffirm its identity as a living Buddhist cultural landscape while revitalising heritage-based livelihoods and inspiring renewed confidence among younger generations.

Building a New Responsible Online Gaming Ecosystem

S Krishnan

India's move to establish a national framework for online gaming emerged from a convergence of opportunity and risk. Over the past decade, digital gaming has grown rapidly, supported by widespread smartphone adoption, affordable connectivity, and a young technology-driven population. This growth created meaningful opportunities for innovation, skill development, creative industries, and employment generation. Recreational gaming and organised competitive formats demonstrated the potential to contribute significantly to India's
digital economy.

Alongside these opportunities, however, the unchecked expansion of online money gaming, particularly betting and wagering platforms, posed serious social and economic concerns.

Many such services operated across State boundaries or from offshore jurisdictions, bypassing domestic safeguards and complicating enforcement. Aggressive advertising and
psychologically manipulative design features encouraged compulsive participation and financial harm among vulnerable users. Reports of financial distress, misuse of digitalpayment systems, and opaque cross-border financial flows highlighted risks relating to fraud, money laundering, and financial instability. These developments underscored the need for anational framework capable of protecting individuals, especially young users, while enabling lawful segments of the gaming ecosystem to grow responsibly.Equally significant was the absence of a unified institutional structure to support legitimate gaming segments such as Online Social Games and organised competitive formats called e-sports. Developers lacked predictable classification pathways, and users often struggled to distinguish lawful entertainment from unlawful wagering. The objective, therefore, was not merely to prohibit harmful activities but to establish a balanced framework that protects users while enabling responsible innovation.

The Promotion and Regulation of Online Gaming Act, 2025 (PROGA) reflected this balanced approach, which has been given final operative shape after extensive consultations with developers, e-sports organisations, legal experts, technology professionals, and civil society stakeholders. Feedback consistently emphasised the need for transparentclassification, predictable compliance obligations, and structured and simple recognition pathways for legitimate formats. Stakeholders supported enabling lawful recreational andcompetitive gaming while strengthening coordinated enforcement against illegal wagering platforms.At the operational level, the framework introduces a structured lifecycle built around three interconnected stages: Determination, Recognition, and Registration. These stages functionsequentially and must be understood together with the statutory definitions provided in the PROGA and its Rules. Determination serves as the regulatory entry gate through which a game is examined and classified. It is not mandatory for every online game, but becomes compulsory only under limited and defined circumstances. Most importantly, determination is mandatory before recognition of e-sports, ensuring that competitive formats comply with statutory safeguardsand remain free from wagering elements. Determination is also ordinarily required where a game is suspected to fall within the definition of Online Money Gaming, where notifiedcategories of Online Social Games require classification, where complaints or intelligence inputs indicate possible financial elements facilitating prohibited activities, or where the
Online Gaming Authority of India (OGAI) directs examination in the public interest. By enabling early classification, determination prevents unlawful financial models from entering the ecosystem while allowing legitimate formats to progress with regulatory certainty.

Following determination, eligible formats may proceed to Recognition. Recognition of e-sports is governed under the National Sports Governance Act, 2025, requiring organisedmultiplayer gameplay, predefined competitive rules, and outcomes determined solely by factors such as mental agility, physical dexterity, or strategic decision-making. Participationfees may be permitted only to support competition-related administrative costs and performance-based prize structures. However, wagering or betting in any form remainsstrictly prohibited. Mandatory determination prior to recognition ensures that recognised e-sports formats meet statutory safeguards.Parallel to this, the framework establishes a pathway for the registration of Online Social Games representing recreational formats designed for entertainment and social interactionrather than financial speculation. Only those categories of Online Social Games specifically notified by Government will need to be registered. Where classification certainty is required, determination may precede registration to confirm the absence of wagering elements.The final stage in the lifecycle is Registration, which provides regulatory visibility and enables proportionate oversight and enforceable accountability. Registration typically follows
recognition of e-sports or applies to notified categories of Online Social Games. It may also be directed where determination outcomes indicate the need for formal oversight or where the OGAI considers such oversight necessary in the public interest. Importantly, registration applies to individual games of every online game service provider rather than entire platforms, ensuring proportionate compliance while enabling authorities to maintain a dependable record of authorised offerings.The present framework shifts from reactive enforcement to proactive and preventive governance. Optimal determination functions as an early filter, recognition establishes lawful
distinction, and registration provides regulatory visibility while enabling proportionate oversight and enforceable accountability. At the same time, enforcement against illegal online money gaming is strengthened through coordinated blocking, investigative OGAI, and financial disruption measures, particularly targeting offshore operators. This dual-track approach reflects the core philosophy of the framework: light-touch regulation for lawful entities and strong enforcement against unlawful operators. (MeitY))

"The Quiet Courage of Choosing Yourself: Boundaries, Breath, and the Healing of the Soul"

Dr Tanu jain
Chief executive officer Bareilly cantonment board Ministry of defence

Every day arrives carrying its own lesson—sometimes gentle, sometimes piercing, but always purposeful. In the quiet unfolding of these daily experiences, we evolve. We begin to notice the subtle distinction between what feels right and what quietly erodes us. Growth, after all, is not always loud or celebratory; often, it is a silent realization that something within us needs to change.

It is indeed strange how human beings function. We cling to familiarity—even when it suffocates us. We nurture relationships long after they have stopped nourishing us. There are moments when certain connections begin to feel heavy, almost as if they are pressing against our chest, making it hard to breathe. And yet, we hesitate to step back. Why? Perhaps out of habit, guilt, or an unspoken fear of being misunderstood.But there comes a time when drawing a line is not an act of rebellion—it is an act of self-respect. Setting boundaries does not mean burning bridges or turning bitter. It simply means choosing clarity over chaos. It is the quiet strength of saying "no" without anger, without justification, and without the need to prove anything. As Osho beautifully reflects, "No is a complete sentence. It needs no justification, no explanation, no defense." In that simplicity lies immense power.There is another subtle truth we often overlook: not everyone values us for who we are. Some relationships are built not on love or respect, but on utility. People remain connected because you are useful to them—your time, your energy, your presence. And somewhere along the way, you begin to believe that your worth lies in how much you can give, how much you can endure, how much you can prove.

But pause for a moment and ask yourself—is that truly why you are here?Are you meant to constantly exhaust yourself in the pursuit of validation? To keep proving your worth to those who have already decided to measure you through their limited lens? Where does this quiet inferiority creep in fromthe feeling that you must earn your place in someone's life?

Osho once said, "Respect yourself, love yourself, because there has never been a person like you and there never will be again." When you truly absorb this, something shifts. You stop seeking approval in places where it was never meant to exist.There is also a deeper layer to this realization. We are not just physical beings navigating responsibilities and relationships we are also souls. And the soul, unlike the body, cannot survive on neglect. It needs nourishment peace, silence, self-love, and truth. When we continuously ignore this inner need, life begins to feel chaotic, unpredictable, and draining. It is not because the world is overwhelming, but because we have disconnected from ourselves. One of the most profound lessons life teaches us is this: never allow yourself to become a punching bag for others emotionally, mentally, or spiritually. No situation, no relationship, no obligation justifies that. Tolerance is a virtue, but self-abandonment is not.

Preserving your energy is not selfish; it is sacred.Helping others is beautiful, but when helping becomes an expectation imposed upon you, it loses its purity. It turns into a silent contract where you are always available, always giving, always bendinguntil one day, you realize you have been taken for granted. And that realization can be deeply unsettling.You are not here to be endlessly consumed by others' needs.You are here to live, to grow, to experience, and to honor your own existence. Choosing yourself does not mean rejecting the worldit means engaging with it from a place of wholeness rather than depletion.As Osho reminds us, "Bedon't try to become." In that simple shift from proving to being, life softens. Relationships become lighter, decisions clearer, and your inner world more peaceful.So, draw your boundaries—not with anger, but with grace. Say no not with guilt, but with clarity. And most importantly, choose yourselfnot out of defiance, but out of deep understanding. Because the moment you begin to truly value your own soul, the world around you quietly begins to adjust.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Shreya Ghoshal opens up on turning her 44 city All Hearts Tour into a live album

The 5 time National Award-winning playback singer Shreya Ghoshal, has spoken up on the enormous process of tying her All Hearts Tour into a live studio album.

The singer spoke while on the move for work outside India. She shared that the idea of turning the tour into an album came to her after realising that she along with her team has performed at some of the iconic locations across the globe.

"I think we had such a fantastic journey in this tour because it spanned over a year, and we traveled to every part of the world, almost every possible city which we could have. And we had so much love garnered on the way from the audiences wherever we went and we did some really memorable shows. I will remember them as closer to my heart concerts in terms of the venues, sometimes the audiences, sometimes the setlist, every time it was special. So, we thought that we would just curate all of it and make an album out of it. And it was a hard decision to, you know, which song to put. But we tried to get the best of the recordings from each of these venues".

Some of these venues were very iconic like the LA Dolby Theatre, as she shared, "The acoustics and everything, the Dolby Theatre is a very prestigious venue, this year's Academy Awards were held there. Then the Fox Theatre in Detroit where Lata Ji was the first Indian artist to perform there. And it's so historical. I mean, very beautifully made theatre, very old. So, each of these venues had a lot of memories. So, I thought we should make an album which reminds us of these times, not just for the audience members who attended and who could not and also for the band members and all of us who put in our hard work in that. And I think what we always try to do is do these songs a little differently from how it is recorded originally".

The singer shared that each of the arrangements during her tour had a little bit of our heart added to it, and there were extra arrangements and some nuances, something special which kept changing.

"So, if I am singing 'Deewani Mastani' once again, I don't think I will be doing that arrangement ever again. It's just we have moved on from there. So, I thought it was a great way to remember and keep it recorded somewhere", she added.

'All Hearts Tour' live album has been released under the label of Sony Music India.

Ankita Lokhande shares throwback with Sushant Singh Rajput, says she misses 'baby Scotch'

Television superstar Ankita Lokhande took a nostalgic trip down memory lane on Wednesday as she shared a heartfelt video remembering her beloved pet Labrador, Scotch.

The video clip shared by Ankita, seems to be throwback interview from the sets of her iconic show Pavitra Rishta, where she had introduced her then-new pet, a puppy named Scotch, whom she had recently brought home.

The clip also features late actor Sushant Singh Rajput sitting beside her.

In the video, Ankita is seen fondly talking about her new baby Scotch and even jokingly saying that she had brought home someone "even more special" than Sushant's character Manav, referring to her pet.

Over the years, Ankita has been a devoted pet parent and is known for her love for animals.

Apart from Scotch, she also has pets named Hachtie who earlier frequently featured on her social media account.

Scotch, in particular, held a special place in her life and was also close with Sushant Singh Rajput during the time Ankita and Sushant were in a relationship.

Ankita, back then would share many videos of both Scotch and Sushant having a ball of a time together.

Currently, Ankita is a pet parent to a Persian cat whom she fondly calls as Mau Lokhande Jain.

The actress' husband Vicky Jain is equally close to the fur baby.

Talking about Pavitra Rishta, the show that starred Ankita Lokhande and Sushant Singh Rajput, remains one of Indian television's most loved shows.

Ankita essayed the role of a simple girl Archana and Sushant Singh Rajput played the character of Manav. Their on-screen pairing was a superhit back then and is considered to be one of the most loved paintings till date.

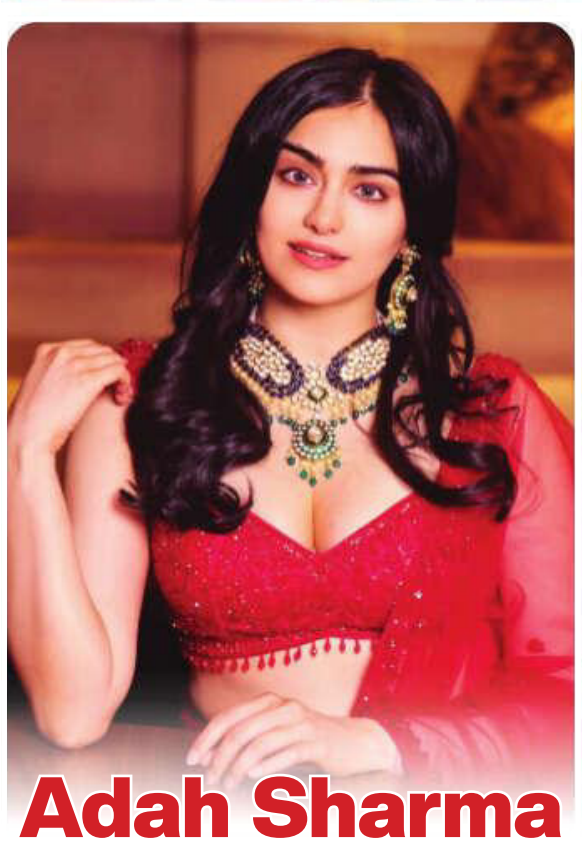

Adah Sharma thrives on juggling layered stories and powerful roles

Actress Adah Sharma, who is gearing up for her upcoming film 'Governor: The Silent Saviour' with Manoj Bajpayee, has spoken about how balancing strong individual characters and layered narratives excites her.

Talking about how portraying bold, flawed, and even morally complex personalities across projects like 'Sunflower', '1920', and 'The Kerala Story' continues to engage her as an actor. Asked at this stage in her career, what excites her more: complex narratives or strong individual characters, "A little bit of both, I guess."

She added, "A solid character is fun to play. Like Rosie in 'Sunflower'. She was saying such bold and almost sleazy dialogues. It made me almost nervous, wondering how I would pull it off."

Adah reminisced about her '1920' character as she shared: "Or Liza in 1920. I have never been possessed in real life, so that was a complex narrative and strong character."

The 33-year-old actress added: "Even in 'The Kerala Story', Shalini was doing some really silly things, making bad decisions, and still, we had to convince the audience to be on her side and not hate her, so that was also exciting."

Talking about 'Governor: The Silent Saviour,' which is slated to release on July 12, is inspired by a real former governor who passed away recently. The film carries a strong "national crisis" theme.

Ranveer Singh's Dhurandhar set for Japan release on July 10

Bollywood's livewire star Ranveer Singh's latest blockbuster "Dhurandhar" (Part 1) is all set to release in Japan on July 10 after shattering records globally.

The official Instagram handle of Jio Studios and B62 Studios shared the poster of the Aditya Dhar-directed film with its title written in English and other details mentioned in Japanese.

For the caption, the banners mentioned in a collaborative post: "It's time for Japan to experience the Dhurandhar energy! Arriving in theatres across Japan on 10.7.2026."

The first instalment of the spy action entertainer has minted over whopping Rs. 1328 crores worldwide when it was released globally on December 5, 2025.

The first installment of the duology, as per a statement from the makers, "recorded a landmark performance internationally, emerging as the No. 1 Hindi film of all time in North America, while also becoming the highest-grossing Indian film ever in Canada and Australia, and ranking among the top-performing Indian films in the UK."

Starring Ranveer Singh, Akshaye Khanna, Sanjay Dutt, Arjun Rampal, R. Madhavan, Sara Arjun, Rakesh Bedi, Gaurav Gera, and Danish Pandor, Dhurandhar is a duology. The film's first instalment was based on a high-stakes covert counter-terrorism operation.

It traces an undercover Indian intelligence agent who infiltrates Karachi's criminal syndicates and political power structures in Pakistan in an effort to dismantle a terror network targeting India.

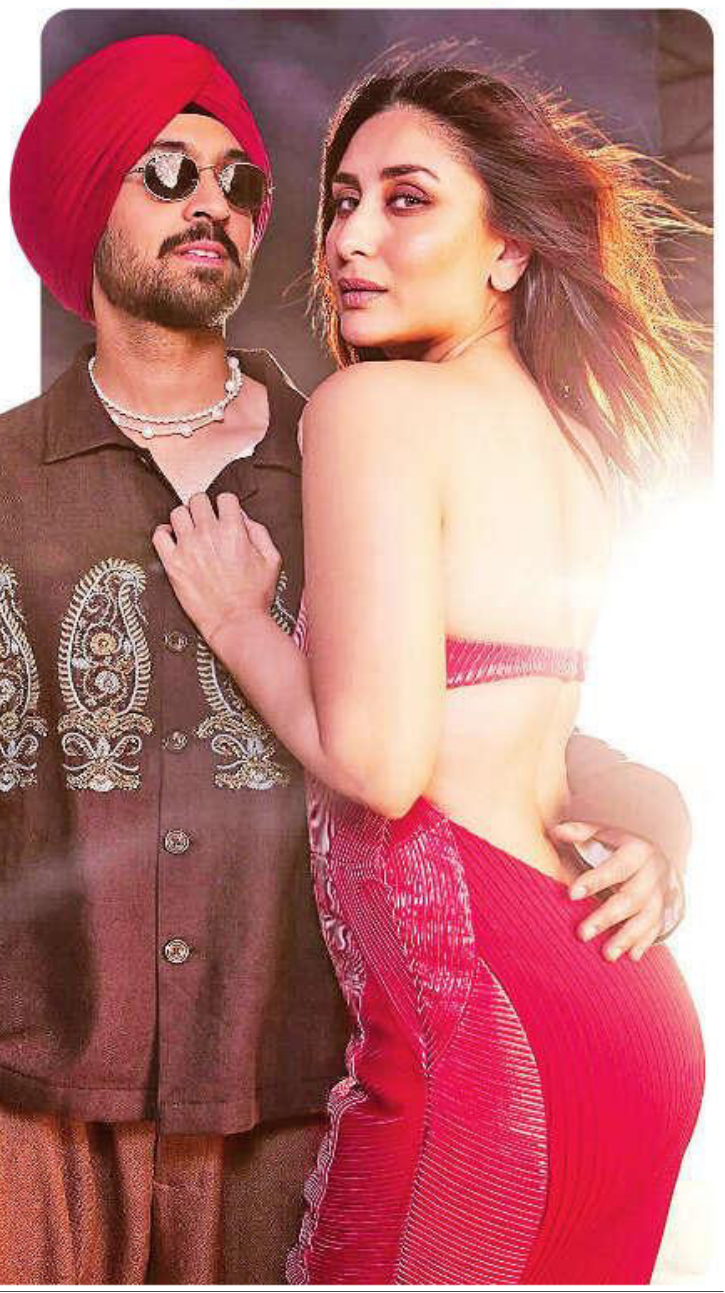

Kareena Kapoor calls herself a 'forever fan girl' of Diljit Dosanjh

Bollywood star Kareena Kapoor Khan could no longer hide her admiration for Punjabi sensation Diljit Dosanjh.

She called herself a "forever fan girl" after watching his electrifying performance on international talk show 'The Tonight Show' hosted by Jimmy Fallon. Taking to her social media account, Kareena shared a clip of Diljit performing on 'The Tonight Show' where the Punjabi sensation was seen grooving to the iconic Punjabi track Morni.

Alongside the video, she wrote, "Forever a Fan girl," with a red heart emoticon, expressing her excitement and admiration for Diljit. In the video, Diljit appeared in a striking all-black traditional Punjabi ensemble paired with a turban, lighting up the stage with his signature dance moves on the song "Morni,"

Diljit and Kareena have been professionally associates for projects like Udta Punjab, Good News and Crew. Earlier this week, Diljit Dosanjh had shared the news of his appearance on the international show in a collaboration post with Jimmy Fallon on their social media accounts.

In the post, the two were seen matching steps as they grooved on the tack "Morni" sung by Diljit. The music is by Tru-Skool and its lyrics are penned by Channi Nattan.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

अन्तर्राष्ट्रीय

संभल
शुक्रवार, 01 मई 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो दोहा के लिए फिर शुरू करेगी नियमित उड़ानें

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो पहली मई से देश के विभिन्न शहरों से कतर की राजधानी दोहा के लिए नियमित उड़ानें फिर से शुरू करेगी। एयरलाइंस ने बुधवार को बताया कि वह दोहा के लिए अपनी सभी उड़ानें दोबारा शुरू कर रही है जिन्हें पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से निलंबित कर दिया गया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'मौजूदा हवाई क्षेत्र की स्थितियों और संबंधित प्राधिकरणों के मार्गदर्शन के अनुरूप' वह सात शहरों बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कन्नूर, कोच्चि और मुंबई से दोहा के लिए हर सप्ताह 60 से अधिक नियमित उड़ानों को फिर से शुरू कर रही है।कंपनी ने एक बार फिर दोहराया है कि वह अपने यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और विमानों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या मार्च में घटी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में मार्च में गिरावट देखने को मिली है। इस साल यह पहला मौका है जब हवाई यात्रियों की संख्या में सालाना आधार पर गिरावट देखी गयी है। जनवरी में यह 4.36 प्रतिशत और फरवरी में 0.16 प्रतिशत बढ़ी थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, गत मार्च महीने में घरेलू मार्गों पर एक करोड़ 44 लाख 16 हजार यात्रियों ने सफर किया। पिछले साल मार्च में यह संख्या एक करोड़ 45 लाख 42 हजार रही थी। साल के पहले तीन महीने में घरेलू हवाई यात्रियों की कुल संख्या चार करोड़ 37 लाख 31 हजार रही है। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 1.23 फीसदी अधिक है।

वेदांता का मुनाफा 89 प्रतिशत बढ़कर 9,352 करोड़ हुआ

मुंबई। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 9,352 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले के मुकाबले 89 प्रतिशत अधिक है।कंपनी ने बुधवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि तिमाही के दौरान उसका राजस्व 29 प्रतिशत बढ़कर 51,524 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो अबतक का रिकॉर्ड है। परिचालन लाभ भी रिकॉर्ड 18,447 करोड़ रुपये हो गया जो 59 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। कुल राजस्व में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 51,524 करोड़ रुपये पर रहा। पूरे वित्त वर्ष के दौरान कुल आय 15 प्रतिशत बढ़कर 1,74,075 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। इस दौरान परिचालन लाभ 55,976 करोड़ रुपये रहा जो 29 फीसदी अधिक है।

[कारोबार] शेयर बाजारों में लौटी तेजी, सेंसेक्स 609 अंक चढ़ा

सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर, छोटी कंपनियों की लिवाली रही

□ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को एक बार फिर तेजी लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 600 अंक से अधिक की बढ़त में बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत तेजी के साथ हुई और पूरे दिन यह हरे निशान में रहा। अंत में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 609.45 अंक (0.79 प्रतिशत) चढ़कर 77,496.36 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक 181.95 अंक यानी 0.76 फीसदी की मजबूती में 24,177.65 अंक पर बंद हुआ। सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा। वृहत बाजार में मझौली कंपनियों के सूचकांक लाल निशान में रहे जबकि छोटी कंपनियों में लिवाली देखी गयी।

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत उतर गया। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.65 प्रतिशत की बढ़त रही।

एफएमसीजी, रियलटी और ऑटो सेक्टरों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े। आईटी, तेल एवं गैस, धातु और रसायन समूहों में भी अच्छी तेजी रही। निजी बैंकों के सूचकांक जहां बढ़त में रहे वहीं सार्वजनिक बैंकों में बिकवाली का जोर रहा। वित्त और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक भी गिरावट में रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी का शेयर चार प्रतिशत के करीब मजबूत हुआ। टेक महिंद्रा में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। मारुति सुजुकी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर दो से तीन प्रतिशत तक चढ़े।

इंडिगो का ढाई और एनटीपीसी का डेढ़ फीसदी टूटा शेयर- सन फार्मा, एलएंडटी, अडानी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनीलिवर, इंफोसिस, टीसीएस और बजाज फाइनेंस के शेयर एक से दो प्रतिशत तक ऊपर बंद हुए। कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, टाइटन, पावरग्रिड, टाटा स्टील और बीईएल के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए। इंडिगो का शेयर ढाई फीसदी और एनटीपीसी का डेढ़ फीसदी के करीब टूट गया। बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए।

डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे गिरा

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही अब तक से सबसे निचले स्तर 94.86 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों 115 प्रति बैरल और विदेशी पूंजी के लगातार बाहर जाने के कारण रुपये पर भारी दबाव देखा गया जिससे ये नीचे आया। इसके साथ ही सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर व्यापक रुझान भी देखने को मिला, इससे भी रुपये में गिरावट रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि ब्रेंट तेल की कीमत बढ़ने से भी निवेशकों का मनोबल कमजोर हुआ है। इसके अलावा मध्य पूर्व के तनाव से भी दुनिया भर के बाजारों में प्रभाव पड़ा है। जिससे भी रुपया दबाव में है।

वित्त मंत्रालय की मासिक समीक्षा रिपोर्ट में खुलासा

औद्योगिक क्षेत्र पर झलकने लगे पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव

□ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय की बुधवार को जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के औद्योगिक क्षेत्र के कारोबार पर पश्चिम एशिया संकट का असर चालू वित्त वर्ष के प्रारंभ में दिखने लगा है और इस संकट के कारण उर्वरक क्षेत्र को गैस और रसायन आपूर्ति में रुकावटों का सबसे ज़्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। थोक मुद्रा स्फीति पर भी संकट का असर दिख रहा है, लेकिन खुदरा मुद्रास्फीति अभी मद्धिम बनी हुई है।

अप्रैल 2026 माह की रिपोर्ट में कहा गया है कि कारोबारी माहौल नरम पड़ा है, जबकि ई-वे बिल की संख्या भले ही मार्च 2026 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी हो, लेकिन वृद्धि की दर नवंबर 2025 के लगभग 30 प्रतिशत के शीर्ष स्तर से नीचे आ गयी गयी है। रिपोर्ट के अनुसार समय -समय पर आने वाले अन्ये आंकड़े भी मार्च, 2026 में आपूर्ति पक्ष में कुछ नरमी का संकेत देते हैं। ऐसा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के शुरुआती असर के रूप में दिखता है। मासिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि, मांग पक्ष के संकेतक काफी हद तक मज़बूत बने हुए हैं और देश की अर्थव्यवस्था अब तक की नीतिगत प्रतिक्रिया ने लंबी अवधि की प्राथमिकताओं से समझौता किये बिना भी तात्कालिक रुकावटों का सामना करने में समर्थ दिखती है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश का व्यापार प्रदर्शन, वैश्विक व्यापार के अस्थिर माहौल के बावजूद, मज़बूती दिखाता है। कुल निर्यात (वस्तुएं और सेवाएं) में साल-दर-साल 4.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 860.1 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा, गैर-पेट्रोलियम निर्यात 387.8 अरब डॉलर के ऐतिहासिक शिखर पर पहुंच गया, जबकि सेवाओं का निर्यात पहली बार 400 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया, जो 418.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

पश्चिम एशिया में संकट के प्रभाव मार्च 2026 के व्यापार आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं, जिसके दौरान कुल निर्यात और आयात में क्रमशः 4.6 प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत की गिरावट आयी। वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही के नियमित मासिक श्रम-शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम बाजार में धीरे-धीरे स्थिति मजबूत हो रही हैं। श्रमिकों की भागीदारी भागीदारी बढ़ रही है, बेरोज़गारी घट रही है और मासिक उतार-चढ़ाव एक सीमित दायरे में हैं। रोज़गार बाजार की संरचना में बदलाव आया है, और अब लोग नियमित वेतन वाले रोज़गार और गैर-कृषि गतिविधियों की ओर ज़्यादा झुक रहे हैं। इसके अलावा, नीति आयोग की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले एक दशक में महिलाओं की ऋण तक पहुंच में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है।

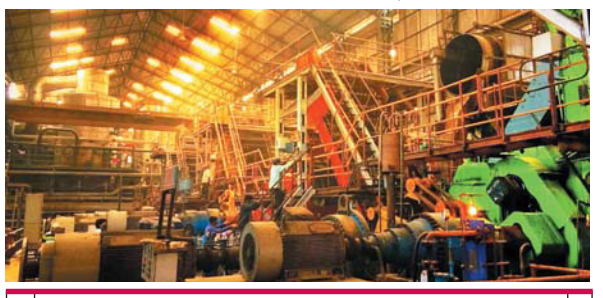

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने सतर्क रुख बनाये रखा है, रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है, जबकि दूसरे दौर के प्रभावों पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है। सिस्टम में तरलता अधिशेष की स्थिति बनी हुई है और बैंक ऋण वृद्धि मजबूत और व्यापक आधार वाली है। गत 31 मार्च, 2026 तक, बैंक ऋण में साल-दर-साल 17.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, हालांकि पश्चिम एशिया में चल रहे संकट ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए ऋण की मांग और शर्तों के बारे में बैंकों के उत्साह को थोड़ा कम कर दिया है।

मूंगफली सप्लाई पर ब्रेक लगने से बढ़ेंगी कीमतें

□ नई दिल्ली

इंडोनेशिया ने मूंगफली के आयात को लेकर नया कोटा सिस्टम लागू किया है, जिससे भारत के निर्यात पर असर पड़ सकता है। इस नए नियम के तहत गुणवत्ता मानकों को और सख्त कर दिया गया है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि व्यापारियों को तैयारी के लिए बहुत कम समय मिला है। आमतौर पर ऐसे बदलावों के लिए 90 दिन मिलते हैं, लेकिन इस

बार सिर्फ 14 दिन का समय दिया गया, जिससे निर्यातकों के लिए स्थिति मुश्किल हो गई है।

नए नियम के अनुसार, अब इंडोनेशिया को मूंगफली भेजने के लिए किसानों और निर्यातकों को ग्लोबल जीएपी (गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस) सर्टिफिकेट लेना होगा। यह सर्टिफिकेट लेना आसान नहीं है और इसमें 3 से 6 महीने तक का समय लग सकता है। ऐसे में अगले कुछ महीनों तक भारत से मूंगफली का निर्यात रुक सकता है।

निर्यात रुकने से बाजार में मूंगफली की कमी हो सकती है, जिससे कीमतों में 60 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दाम दोगुने तक भी हो सकते हैं, क्योंकि इतनी जल्दी कोई देश इन नए नियमों को पूरा नहीं कर पाएगा। हालांकि यह नियम सभी देशों पर लागू होता है, लेकिन भारत पर इसका असर ज्यादा पड़ेगा, क्योंकि इंडोनेशिया भारत से सबसे ज्यादा मूंगफली खरीदता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत की कुल मूंगफली निर्यात का बड़ा हिस्सा इंडोनेशिया को जाता रहा है।

अभी मद्धिम बनी है खुदरा मुद्रास्फीति

रिपोर्ट के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति मद्धिम बनी हुई है1 मार्च में यह 3.4 प्रतिशत थी। घरेलू ईंधन की बढ़ती कीमतों से बचाने के लिए किये गये नीतिगत उपायों से खुदरा मंहगायी नीचे रखने में मदद मिली है। थोक कीमतों में बढ़ोतरी लागत-जनित दबावों के उभरने का संकेत देती है, जो अगर आपूर्ति में रुकावटें बनी रहीं, तो उपभोक्ता मुद्रास्फीति में बदल सकते हैं। वित्तीय अस्थिरता का हालांकि कोई खतरा नहीं है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

□ नई दिल्ली

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव ऊपर आये हैं। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,50,100 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,38,350 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 693 रुपये बढ़कर 1,50,720 रुपये पर खुला। ये 1,51,527 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,49,993 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 1,334 रुपये बढ़कर साथ 2,38,443 रुपये पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,37,345 रुपये था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेथ्स पर सोना 4,611.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 4,608.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 72.98 डॉलर के भाव पर खुले जबकि पिछला बंद भाव 73.21 डॉलर था।

ब्रितानी सर्च एग्रीगेटर एवं ट्रेवल एजेंसी स्काईस्कैनर की रिपोर्ट में दावा

भारतीय पर्यटकों को भा रहीं शांत जगहें

□ नई दिल्ली

छुट्टियां बिताने के लिए पसंदीदा स्थान चुनने के भारतीय पर्यटकों के मानदंड बदल रहे हैं और अब वे ऐसी जगहों पर जाना चाहते हैं जहां कुछ नया अनुभव मिले और बहुत ज्यादा लोग न जाते हों।

ब्रितानी सर्च एग्रीगेटर एवं ट्रेवल एजेंसी स्काईस्कैनर की यहां मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 81 प्रतिशत भारतीय पर्यटकों को नयी जगहों पर जाने से कोई गुरेज नहीं है जबकि 60 प्रतिशत से अधिक लोग कम भीड़-भाड़ वाली शांत जगहों को पसंद करते हैं। स्काईस्कैनर के भारतीय कारोबार के प्रमुख नील घोष ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि पहले जहां लोग ज्यादातर ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते थे जो प्रसिद्ध हों या लोकप्रिय हों, वहीं अब वे ऐसी जगहों को तरजीह दे रहे हैं जहां कम लोग जाते हैं, जहां

कुछ नया अनुभव मिले और बिल्कुल अनजान जगहों पर जाने से भी नहीं कतराते हैं।

उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे और नये पर्यटन स्थलों के उभरकर सामने आने का एक कारण यह भी है कि पहले जहां ये जगहें दुर्गम थीं अब इनके लिए परिवहन सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं। श्री घोष का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण लोगों ने अपने गंतव्य जरूर बदले हैं लेकिन छुट्टियों पर बाहर जाना पूरी तरह टाला नहीं है। उन्होंने कहना है कि आम तौर पर भी अब पर्यटक अपने गंतव्य और समय को लेकर काफी लचीलापन दिखा रहे हैं। यही कारण है कि 48 फीसदी भारतीय पर्यटक अब नॉन-पीक टाइम यानी उन दिनों में भी सफर करने के लिए तैयार हैं जब भीड़ ज्यादा नहीं होती। भारत में पर्यटन क्षेत्र की संभावनाओं के बारे में श्री घोष ने कहा कि स्काईस्कैनर ने देश में करीब डेढ़ साल पहले अपना कारोबार शुरू किया था। इतने कम समय में ही कंपनी के सर्च प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल के मामले में भारत पहले नंबर पर पहुंच गया है।

यात्रा के लिए हो रही हैं ज्यादा बुकिंग

रिपोर्ट के अनुसार, एक-तिहाई लोग छुट्टी रद्द करने की बजाय अपना गंतव्य बदलने के लिए तैयार हैं।रिपोर्ट लॉन्च के मौके पर होस्टल चेन जोस्टल और जो वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविरल गुप्ता ने बताया कि अब काफी पहले योजना बनाने की बजाय लोग अंतिम समय में यात्रा के लिए ज्यादा बुकिंग कर रहे हैं। लगभग आधे पर्यटक अब उसी दिन या यात्रा से एक दिन पहले बुकिंग करते हैं। उन्होंने कहा कि अब यात्रा छुट्टियां मनाने के कहीं बढ़कर जीवनशैली में शामिल हो चुका है।

टाटा मोटर्स ने 2025-26 में पेटेंट के लिए 144 आवेदन किये

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31 मार्च 2026 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में 144 पेटेंट आवेदन फाइल करके अपना एक नया रिकार्ड बनाया। यह कंपनी की ओर से किसी एक साल में पेटेंट के लिए प्रस्तुत आवेदनों की सबसे बड़ी संख्या है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि ये फाइलिंग कंपनी की रणनीतिक प्राथमिकताओं के पूरी तरह अनुरूप हैं। ये वाहनों की बेहतर सुरक्षा, ज़्यादा विश्वसनीयता, स्वामित्व की कुल लागत को कम करने और यात्रियों के लिए आराम बढ़ाने के लिए नवाचारों से जुड़े हैं। टाटा मोटर्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट और इंजीनियरिंग प्रभाग प्रमुख अनिरुद्ध कुलकर्णी ने कहा, 'हम जो कुछ भी करते हैं, उसके मूल में इनोवेशन ही है।

किसानों को मिलेगा बड़ा फायदा

पीलीभीत फिर बनेगा बासमती एक्सपोर्ट हब

□ नई दिल्ली

कभी देश-दुनिया में अपने बासमती चावल के लिए मशहूर उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले को फिर से निर्यात का केंद्र बनाया जाएगा। पीलीभीत में बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन (बीईडीएफ) का केंद्र खोला जा रहा है। मंगलवार को बीईडीएफ के लिए पीलीभीत के टांडा बिजेसी में सात एकड़ जमीन का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। इस मौके पर केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद जितिन प्रसाद ने कहा कि जिस तरह पहले कभी पीलीभीत में बासमती चावल का उत्पादन होता था, वैसे ही अब पुनः प्रयास किए जाएंगे। इस केंद्र के खुलने से किसानों को उच्च गुणवत्ता के बासमती उत्पादन के लिए प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे वे वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

उच्च गुणवत्ता के अनाज का लाभ मिलेगा : उन्होंने कहा कि इस केंद्र को एआईसीआरपी द्वारा मान्यता मिलने से बासमती की नई किस्मों का परीक्षण और मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे किसानों को बेहतर पैदावार और उच्च गुणवत्ता के अनाज का लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह केंद्र न केवल हमारे किसानों को नई तकनीकी जानकारी और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा, बल्कि उनके जीवन स्तर को भी सुधारने में मदद करेगा।

बीज केंद्र से बढ़ेगा बासमती उत्पादन

सांसद जितिन प्रसाद ने कहा कि बीज गुणन केंद्र किसानों को प्रमाणित और स्वस्थ बीज प्रदान करेगा, जिससे बासमती की किस्मों की शुद्धता बनी रहेगी और उत्पादन बढ़ेगा। युवाओं को बीज उत्पादन, जैविक कृषि और कृषि प्रौद्योगिकी में कौशल मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। रासायनिक अवशेष-मुक्त बासमती उत्पादन पर प्रशिक्षण से किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाने का मौका मिलेगा, जिससे उनकी कृषि में सुधार होगा।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा केंद्र

इस केंद्र में आधुनिक सुविधाएं जैसे ऑडिटोरियम, स्संग्रहालय, प्रयोगशाला और जैविक कृषि के लिए इनपुट स्टोर उपलब्ध होंगे, जो प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाएंगे। एनसीओएनएफ के सहयोग से जैविक कृषि को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसान रासायनिक उपयोग से बचकर प्राकृतिक तरीकों से खेती कर सकेंगे। एफपीओ और कृषि उद्यमियों के लिए निर्यात प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे भारत कृषि निर्यात में वैश्विक नेतृत्व स्थापित कर सकेगा।

ढोलकिया लैब ग्रोन डायमंड ने जुटाई 800 करोड़ की पूंजी

मुंबई। ढोलकिया लैब ग्रोन डायमंड (डीएलजीडी) ने विभिन्न निवेशकों से 800 करोड़ रुपये की पूंजी जुटायी है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि मुख्य निवेश अबैकस से प्राप्त हुआ है। साथ ही आईसीआईसीआई वेंचर्स आईएएफ5, अमल पारिख और अन्य प्रमुख निवेशकों ने भी डीएलजीडी में पूंजी लगायी है। यह देश के लैब-ग्रोन डायमंड सेक्टर में विकास के चरण में सबसे बड़े निवेशों में से एक है। इस पूंजी का इस्तेमाल कंपनी के अगले चरण के विकास के लिए किया जायेगा। इसमें लैब-ग्रोन डायमंड के उत्पादन का विस्तार, कार्यशील पूंजी को मजबूत करना और पूरे देश में भौतिक खुदरा नेटवर्क का विस्तार शामिल है। कंपनी ऑप्टिकल क्षेत्रों के लिए प्रिसिजन सिंगल-क्रिस्टल डायमंड पर अपने काम को आगे बढ़ाएगी।

पीएनबी ने 220 स्थानों पर की एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी

शीर्ष नेतृत्व की पहल पर बैंक चेन ने बड़े पैमाने पर ऋण तक पहुंच को दिया बढ़ावा

□ लखनऊ

पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने देश भर में 220 स्थानों पर अपने मेगा एमएसएमई आउटरीच प्रोग्राम की मेजबानी की। इसका उद्देश्य एमएसएमई को सुलभ, अनुकूलित और प्रतिस्पर्धी दरों पर वित्त समाधान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना था, जो उद्यमिता और आर्थिक विकास के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करता है। आउटरीच का नेतृत्व एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने सभी कार्यकारी निदेशकों एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर किया। उन्होंने कहा, 'एमएसएमई भारत की आर्थिक प्रगति की आधारशिला हैं। विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने वाले महत्वपूर्ण चालक हैं। मौके पर ही दी गई स्वीकृतियां एमएसएमई क्षेत्र के लचीलेपन के प्रति पीएनबी की प्रतिबद्धता, दोनों को रेखांकित करती हैं। हम विकसित भारत 2047 की दिशा में एमएसएमई के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अपने व्यापक नेटवर्क और डिजिटल क्षमताओं का लाभ उठाना जारी रखेंगे।'